आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 12 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 40

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

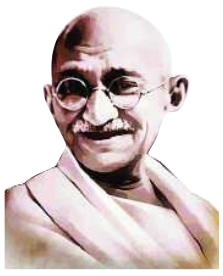

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

ठेकेदार के पास नहीं थी मटेरियल को रखने ...

पेज-2

अभिनेत्री दीया मिर्जा का प्रेरणादायक है सफर

पेज-5

बिजली लाइन में चाइनीज मांझा....

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- गोवा नाइटक्लब अग्निकांड : लूथरा ब्रदर्स को बैंकाक शिफ्ट किया गया, इमिग्रेशन सेंटर में रखे गए
- हरियाणा डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म की, देर रात वार्ता के बाद तीन हजार डॉक्टर काम पर लौटे
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर जताया शोक
- आंध्र प्रदेश में हुए बस हादसे पर सीएम चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने जताया शोक
- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी संसद भवन में कांग्रेस सांसदों को संबोधित करेंगे
- यूपी में योगी सरकार का बड़ा फैसला, छह महीने तक पूरे प्रदेश में हड़ताल पर रोक लगाने का आदेश जारी

इंदौर में कड़ाके की ठंड में दर्शन करने पहुंचे हजारों भक्त, जय रणजीत के लग रहे जयघोष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रणजीत अष्टमी के मौके पर इंदौर के रणजीत हनुमान मंदिर से रणजीत बाबा की विशाल प्रभातफेरी निकाली जा रही है। स्वर्ण रथ पर विराजित बाबा के दर्शन पाने के लिए 4.5 डिग्री सेल्सियस की ठंड में हजारों भक्त उमड़ पड़े। करीब 4 से 4.5 किलोमीटर लंबे मार्ग पर बढ़ती यह प्रभातफेरी द्रविड़ नगर, महू नाका, दशहरा मैदान और अन्नपूर्णा मंदिर होते हुए आगे बढ़ रही है।

भीड़ अधिक होने से यात्रा 4 घंटे में मात्र 2.30 किमी का सफर तय कर पाई है। यात्रा की शुरुआत सुबह 5 बजे हुई थी।

रास्ते में हनुमान जी की सुन्दर झांकी, कलाकारों की प्रस्तुति, डिजिटल झांकी में दिखाया जा रहा रणजीत लोक, ढोल-मंजीरों के साथ चल रही महाकाल मंडलियां और हाथों में ध्वज लिए महिलाएं... ये सब मिलकर माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना रहे हैं। भजन मंडली के भजनों पर भक्त ताली बजा रहे हैं, वीडियो बना रहे हैं और हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

प्रभातफेरी में ये है क्रम

प्रभातफेरी में सबसे पहले पुलिस बल, प्रचार वाहन, बैनर, कड़ाबिन, सरगम बैंड, 101 पुरुष ध्वज वाहक, भजन गायक, पुरुष वर्ग, महाकाल मंडली, भजन गायक, युवा वर्ग, झांकी, महाकाल मंडली, एलईडी झांकी, महाकाल मंडली, महिला मंडल, जीप रथ, संध्या आरती मंडल, हनुमान ध्वज पथक, बाहुबली हनुमान-महाबली हनुमान, जीप रथ, भजन गायक, झाड़ू सफाई टीम, रामजी झांकी, भजन गायक-झांकी, अतिथि, बाबा का स्वर्ण रथ, पुलिस टीम, सफाई टीम, एम्बुलेंस रहेंगी।

70 सीसीटीवी और 4 ड्रोन कैमरों से निगरानी

70 सीसीटीवी कैमरे और 4 ड्रोन कैमरों से प्रभातफेरी में पुलिस नजर रख रही है। 600 से ज्यादा पुलिसकर्मी इसमें लगे हैं। अलसुबह 3 बजे से प्रभातफेरी मार्ग पर तैनात हैं। इसके अलावा पुलिस के आला अधिकारी और कई अन्य अधिकारी भी सुरक्षा व्यवस्था में सक्रिय हैं।

इमरजेंसी की स्थिति में तीन एम्बुलेंस नरेंद्र तिवारी मार्ग, महू नाका चौराहा और दशहरा मैदान के पास तैयार हैं। साथ ही तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौजूद हैं। प्रभातफेरी में सभी मंच लेफ्ट साइड लगे हैं और 15 वॉच टावरों से पुलिस लगातार नजर रख रही है।

बड़ी कार्रवाई, बर्खास्त हो सकते हैं बड़बोले आईएएस संतोष वर्मा !

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जीएडी ने डीओपीटी को भेजा प्रस्ताव, वर्मा को कृषि विभाग से हटाया

भोपाल (एजेंसी) ● ब्राह्मण बेटियों पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के बाद पहले से ही विवादों में घिरे आईएएस संतोष वर्मा पर अब एक और बयान भारी पड़ गया है। अजाक्स सम्मेलन में दिए गए उनके नए बयान के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा संतोष वर्मा प्रकरण का संज्ञान लेते हुए जीएडी को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही वर्मा को कृषि विभाग से हटाकर जीएडी पूल में अटैच कर दिया गया है, जहां उनके पास न विभाग होगा, न कोई कार्य। मुख्यमंत्री के निर्देश के परिपालन में सामान्य प्रशासन विभाग ने आईएएस वर्मा को बर्खास्त करने के लिए डीओपीटी को पत्र भेज दिया है। जीएडी की रिपोर्ट में बताया गया कि वर्मा ने फर्जी और जाली आदेश बनाकर आईएएस पद पर पदोन्नति ली थी। उनके विरुद्ध कई आपराधिक प्रकरण अदालतों में लंबित हैं। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लिया गया आईएएस प्रमोशन गलत और अवैध माना गया है। उन पर जाली और फर्जी दस्तावेज के आधार पर संनिष्ठा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के आरोप के लिए विभागीय जांच अंतिम स्तर पर है।

संतोष वर्मा के दो विवादित बयान

अजाक्स सम्मेलन में बोले : जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान नहीं देता, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। हाईकोर्ट पर गंभीर आरोप : एसटी वर्ग के बच्चों को सिविल जज कोई और नहीं, हाईकोर्ट नहीं बनने दे रहा है। कटऑफ मार्क्स जानबूझकर कम दिए जाते हैं।

पाकेट गवाह मामले में कमिश्नर के निर्देश बाद विभागीय जांच शुरु

गजब है खजराना पुलिस-सैकड़ों केसों में सिर्फ दो ही लोगों की गवाही

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खजराना थाने में 100 से ज्यादा केस में दो ही व्यक्तियों के गवाह होने की बात सामने आ रही है। मामला सामने आने के बाद पुलिस कमिश्नर संतोषकुमार सिंह ने डीसीपी कृष्णलाल चंदानी को मामले की जांच सौंप दी है। इसके बाद तत्कालीन थाना प्रभारी दिनेश वर्मा को दूसरी बार नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक खजराना थाने में भी 2022 से 2023 के बीच दर्ज हुए प्रकरण में इस तरह के पॉकेट गवाह बनाये गए हैं। नवीन और इरशाद नाम के दो लोगों के नाम कई केस में गवाह के रूप में निकल कर सामने आये हैं। इससे आशंका है कि पुलिस ने कई मामलों में फर्जी गवाह कोर्ट में पेश किए थे। पॉकेट गवाह बनाये जाने से केस तो कमजोर होता ही है वहीं आरोपी के बरी होने की सम्भावना भी बढ जाती है। डीसीपी कृष्णलाल चंदानी के मुताबिक उन्होंने तत्कालीन थाना प्रभारी दिनेश वर्मा को नोटिस जारी कर जवाब माँगा है। उन्हें पहले भी नोटिस दिया गया था लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला तब दूसरा नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी मामलों की एफआईआर का अध्ययन शुरु किया गया है। 100 से ज्यादा ऐसे मामले सामने आने की संभावना है। कुछ एफआईआर देखने के बाद पता चला है कि आर्म्स एक्ट और माइनर के मामलों में इस तरह के पाकेट गवाह बनोए गए हैं। अभी सारी एफआईआर का अध्ययन किया जा रहा है कि उसके बाद ही ये खुलासा होगा कि किस तरह के केस में पाकेट गवाह बनाए गए हैं। इस मामले में तात्कालीन पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की भी विभागीय जांच की जा रही है।

क्या होते हैं पाकेट गवाह

सूत्रों के अनुसार पुलिस कई केस में मुखबिर या इलाके के छोटे-मोटे बदमाशों को जबरन किसी भी केस में गवाह बना देते हैं। कई मामलों में पुलिस आरोपी से सांठ-गांठ कर आर्थिक लाभ लेते हैं और उसके बाद केस को कमजोर करना शुरु हो जाता है। इस तरह के मामलों में पुलिस जिन्हें गवाह बनाती है उन्हें पहले से ही समझा दिया जाता है कि कोर्ट में किस तरह के बयान देना है। उसके बाद पाकेट गवाह पुलिस की बोली ही कोर्ट में बोलते हैं। इनके बयान के आधार पर केस कमजोर हो जाता है और आरोपी के बरी होने की संभावना बढ़ जाती है।

एक भ्रष्ट के लिए डाबर को लाइब्रेरी से हटाया!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्कूली शिक्षा विभाग में नियमों की किस तरह धज्जियां उड़ाई जाती है इसका ताजा उदाहरण है कि ट्रांसफर पर रोक के बावजूद भी एक प्राचार्य का स्थानांतरण बिना अनुमति से कर दिया। एक तरफ लोक शिक्षण संचालनालय स्कूली शिक्षा मंत्री की सिफारिशों को रद्दी के टोकरी में डालने से नहीं चूक रहे हैं वहीं दूसरी तफर अपने चहते भ्रष्टों को बचाने के लिए कोई भी आदेश मनमानी तरीके से जारी कर रहे है। लोक शिक्षण आयुक्त शिल्पा गुप्ता की कार्यप्रणाली वैसे ही विवादों में आ गई है। उनके निर्णयों को लेकर उनके ही कार्यालय के कर्मचारी आंदोलन कर चुके है। ऐसे में प्रमुख सचिव द्वारा आदेश में परिवर्तन कर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नियमों का मखौल उड़ा दिया है।

शिक्षा विभाग के विश्वनीय सूत्रों के अनुसार डीईओ कार्यालय में एक भ्रष्ट अधिकारी जिसके ऊपर 60 लाख से अधिक की आर्थिक अनियमितता का आरोप साबित हो चुका है। सूत्रों के अनुसार यह जांच संभागीय कमिश्नर में पेंडिंग है और इस पर निर्णय उनके द्वारा लिया जाना हैं। बताया यह भी जा रहा है कि यहां पर यह फाइल एक अबूझ सेटिंग के तहत रुकवा दी गई है। सूत्र बता रहे हैं कि इसी जांच को पूरी तरह से खत्म करने के लिए भ्रष्ट ने अपने सम्पर्क का उपयोग कर लाइब्रेरी में पोस्टिंग का खेल खेला है। जिस आदेश का हवाला देकर आयुक्त ने यह ट्रांसफर किया है वह मध्यप्रदेश के स्कूली शिक्षा विभाग के आदेश पर उप सचिव मंडलोई द्वारा निकाला गया था। उस आदेश में ही लिली डाबर को उच्च प्रभार पर पदोन्नत कर हाइयर सेकेंडरी प्राचार्य बनाकर लाइब्रेरी में पदस्थ किया गया था।

भोपाल मेट्रो की शुरुआत 21 दिसंबर से, वर्चुअली जुड़ेंगे पीएम

भोपाल (एजेंसी) ● केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। वे फूलों से सजी 3 कोच की मेट्रो से भोपाल को देखेंगे। कमर्शियल रन की तारीख में बदलाव भी हो सकता है। 21 की जगह 20 दिसंबर को ही मेट्रो की शुरुआत हो सकती है। हालांकि, सीएम डॉ. मोहन यादव खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर में 21 दिसंबर को मेट्रो की शुरुआत करने की बात कह चुके हैं। इससे पहले कमर्शियल रन के कार्यक्रम को लेकर बीजेपी संगठन, सरकार और अफसरों के बीच मंथन का दौर जारी है। कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम ने भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए ग्रीन सिग्नल दे दिया है। सीएमआरएस टीम 12 नवंबर को भोपाल पहुंची थी। 13, 14 और 15 नवंबर को टीम ने डिपो से लेकर ट्रैक और ट्रेन तक निरीक्षण किया था। कमिश्नर नीलाभ्र सेनगुप्ता के साथ टीम ने मेट्रो के नट-बोल्ट भी देखे थे। भोपाल मेट्रो से जुड़े अफसरों का कहना है कि ऑरेंज लाइन के कमर्शियल रन के लिए वे सभी काम पूरे हो चुके हैं, जो जरूरी है। स्टेशनों का कुछ काम जरूर बचा है, लेकिन उससे कमर्शियल रन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मेट्रो के कमर्शियल रन और पीएम मोदी के आने की खबरों के चलते सभी मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मेट्रो ने स्टेशनों पर प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड तैनात किए हैं।

मौसम-रात का तापमान गिर रहा तो दिन का बढ़ रहा

इंदौर में तीव्र शीतलहर... रात का पारा 4.5 डिग्री, प्रदेश में दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वर्ष 2025 के नवंबर माह के बाद दिसंबर माह भी रिकॉर्ड ठंड के लिए जाना जाएगा। लगातार रिकॉर्ड टूट रहे हैं और तीव्र शीतलहर के बीच इंदौर प्रदेश में सबसे ठंडा शहर बन गया। बुधवार-गुरुवार रात का पारा 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 8 डिग्री कम रहा।

नए रिकॉर्ड कायम

शहर में इस साल ठंड हर दिन नए रिकॉर्ड कायम कर रही है। एक बार फिर न्यूनतम तापमान 10 सालों में पहली बार 4.5 डिग्री पर पहुंचा। इसके साथ ही यह तापमान इतिहास में दर्ज दिसंबर के 10 सबसे कम तापमान में नौवें स्थान पर जा पहुंचा। ठंड के मामले में इंदौर पचमढ़ी से भी आगे निकल गया। इंदौर में पारा 4.5 के मुकाबले पचमढ़ी में पारा 4.8 डिग्री रहा। कल्याणपुर (शहडोल) 3.8 डिग्री के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम केंद्र के मुताबिक रात का तापमान जहां गिर रहा है वहीं दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। गुरुवार को दिन का

दिन में मिल रही राहत

सूरज उगते ही ठंड से राहत मिलना शुरू हो जाती है। सूरज जैसे-जैसे चढ़ने लगता है, ठंड गायब होने लगती है, लगता ही नहीं है कि कुछ घंटों पहले शहर में इतना कम तापमान था। दिन और रात के तापमान में 23.7 डिग्री का अंतर देखने को मिला है। यह इस सीजन का सबसे बड़ा अंतर है। मौसम केंद्र के मुताबिक इस समय पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत के ऊपर समुद्रतल से 12.6 किमी की ऊंचाई पर करीब 204 कि.मी. प्रतिघंटे की रफ्तार से उपोष्ण पश्चिमी जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही है। इसके कारण उत्तर भारत में बर्फबारी हो रही है। इंदौर में भी उत्तर की ओर से ये ही हवाएं ठंडक ला रही है, जिससे यहां भी कश्मीर जैसा अहसास हो रहा है। सुबह और शाम को ठंडी हवाओं ने ठिठुराया: इंदौर में तीव्र शीत लहर चल रही है, जिसका असर सूरज ढलने के बाद और सूरज उगने तक देखने को मिल रहा है। सूरज के निकलते ही ठंडी हवाओं का जोर थोड़ा कम होने लगता है। सूरज ढलते ही ठंडी हवाएं लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर रहे है। सामान्य गर्म कपड़ों से ठंड से निजात नहीं मिल रही है, अतिरिक्त गर्म कपड़े या अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। रात होते ही हवाएं इतनी ठंडी हो जाती है कि लोगों को घरों में ही कैद होकर रहने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

इंदौर में दिसंबर के सबसे ठंडी रात

मौसम विभाग के अनुसार इंदौर में दिसंबर माह का अब तक सबसे ठंडी रात 89 साल पहले 27 दिसंबर को दर्ज हुई थी, जब पारा 1.1 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं 1964 में 14 दिसंबर को पारा 2.4 डिग्री रहा था। इसी तरह 11 साल पहले 2014 में रात का न्यूनतम तापमान 3 डिग्री दर्ज हुआ था। साथ ही 1983 में 28 दिसंबर को पारा 3.1 डिग्री, 1955 में 24 दिसंबर को 3.3 डिग्री, 1990 में 31 दिसंबर को 3.6 डिग्री, 1983 में ही 27 दिसंबर को 3.9 डिग्री, 1961 में 20 दिसंबर को 4.3 डिग्री, 1963 में 17 दिसंबर को 4.5 डिग्री वहीं 1977 में 31 दिसंबर को 4.8 डिग्री पारा दर्ज हुआ है।

बस कंपनियों को घाटे से बचाने बसों का इस्तेमाल कार्गो के लिए करने का लिया था निर्णय

अप्रैल से चलेंगी 'सरकारी' बसें, कार्गो के लिए इस्तेमाल नहीं करने पर मंथन

भोपाल (एजेंसी) ● मप्र सरकार ने अप्रैल, 2026 से सुगम बस परिवहन सेवा के तहत सरकारी बसें चलाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। सुगम बस परिवहन सेवा की शुरुआत इंदौर से होगी। शुरुआत में इंदौर के आसपास 50 किलोमीटर के एरिया में ये बसें चलाई जाएंगी। इंदौर के बाद उज्जैन में बसें चलाई जाएंगी।

डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने पिछले साल एक अप्रैल को सुगम बस परिवहन सेवा के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस प्रस्ताव के अनुसार बसों का संचालन पीपीपी मॉडल पर किया जाएगा। सरकार ने तय किया था कि नई परिवहन नीति में बस चलाने वाली कंपनियों को घाटे से बचाने के लिए सवारियों के साथ कार्यों के लिए भी बसों के इस्तेमाल का प्रावधान किया जाएगा। यानी बसों के जरिए सामान को एक से दूसरे स्थान पर भेजा जा सकेगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अक्टूबर में राजस्थान के जैसलमेर में स्लीपर बस में आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई थी। जांच में सामने आया था कि बस में रखे कार्गो के कारण यह हादसा हुआ है।

इस घटना से सबक लेते हुए परिवहन विभाग यात्रियों के साथ कार्यों के लिए बसों का इस्तेमाल नहीं किए जाने को लेकर फिर से विचार-विमर्श कर रहा है। विभिन्न बिंदुओं पर मंथन के बाद इस संबंध में अंतिम निर्णय जल्द लिया जाएगा। कंपनियों को घाटे से बचाने के लिए कार्यों के स्थान पर अन्य विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक सुगम बस परिवहन सेवा में पीपीपी मॉडल पर बसें चलाने के लिए प्रायवेट ऑपरेटर को हायर किया जाएगा। सरकार एक होल्डिंग कंपनी बनाएगी, जिसका बस संचालन पर पूरा कंट्रोल होगा। नई परिवहन नीति में बसों का संचालन इन्दौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, सागर व रीवा संभाग में किया जाएगा। योजना में यात्री बसों के संचालन की त्रिस्तरीय मॉनिटरिंग की जाएगी।

विकसित होगा इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम

अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था का संचालन उबर, ओला के समान बस ऑपरेटरों और मोटर मालिकों के साथ सहभागी आधार पर किया जाएगा। व्यवस्था के सुगम संचालन के लिए इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जा रहा है। यह प्लेटफॉर्म देश का प्रथम इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर है, जिसमें व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग, ऑटोमेटिक किराया संकलन, अलार्ट मॉड्यूल, शिकायत निवारण जैसे 18 मॉड्यूल शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर प्रेस क्लब में निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप 14 दिसंबर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन रविवार 14 दिसंबर को किया जा रहा है। प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने बताया कि इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से आयोजित इस कैंप में प्रेस क्लब के सदस्यों एवं मीडिया के साथियों के साथ उनके परिजनों की हृदय, कैंसर, पेट, हड्डी, दांत, महिला, शिशु, नाक, कान, गला, आंखों के रोग सहित 22 तरह की नि:शुल्क जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की जाएगी। सुबह 11 से शाम 4 बजे तक यह कैंप आयोजित होगा।

संभागायुक्त ने आयुर्वेद महाविद्यालय व चिकित्सालय का किया निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने आयुर्वेद महाविद्यालय में नये सत्र बीएएमएस प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि, उपलब्ध अवसरों और सुविधाओं का बेहतर उपयोग कर अनुशासन, समर्पण एवं लगन के साथ शैक्षणिक कार्यों में आगे बढ़े। संभागायुक्त डॉ. खाड़े गुरूवार को बुरहानपुर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। पं. शिवनाथ शास्त्री शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने महाविद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं चिकित्सालय में संचालित चिकित्सा सेवाओं, रोगियों को दी जा रही सुविधाओं, उपलब्ध दवाओं की गुणवत्ता एवं पैकिंग की जाँच की। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने शिक्षकों एवं चिकित्सकों से चर्चा कर शिक्षण और उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

ठेकेदार के पास नहीं थी मटेरियल को रखने की जगह, निगम ने उपलब्ध कराया स्थान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम द्वारा बीआरटीएस कॉरिडोर से रेलिंग हटाने का ठेका मटेरियल के साथ दिया है, जिसके अनुसार ठेकेदार को रेलिंग और बस स्टॉप से निकला सामान खुद रखना है, जिसके चलते बस स्टैंड से निकले सामान और रेलिंग रखने का कोई बड़ा स्थान ठेकेदार के पास नहीं था, इसलिए नगर निगम ने बीआरटीएस रेलिंग को ट्रेंचिग ग्राउंड में रखने की अनुमति ठेकेदार को दी, जिसके चलते रेलिंग को बीआरटीएस से हटाकर ट्रेंचिग ग्राउंड में जमा करवाया जा रहा है। स्टॉप का अधिकांश सामान भी ट्रेंचिग ग्राउंड भेजा गया है।

पांच दिनों में एक साइड का कॉरिडोर तोड़ना है

नगर निगम को यह काम 16 दिसम्बर, 2026 तक पूरा करना है, वहीं बीआरटीएस के काम लेकर हाईकोर्ट द्वारा गठित समिति द्वारा भी समीक्षा की जा रही है। नगर निगम को रेलिग हटाने के साथ कांक्रीट का डिवाइडर हटाकर सड़क को समतल करना है। नगर

निगम द्वारा कई स्थानों पर यह काम पूरा नहीं किया गया है, जिससे सड़क चलने वाले वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

रात 12 से 6 के बीच चल रहा काम-सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार काम तेजी से करने के लिए यह कदम उठाया गया है, नगर निगम रात 12 बजे के बाद बीआरटीएस की रेलिंग सुबह 6 बजे तक हटा रहा है, प्रतिदिन रेलिंग हटाने के बाद कॉरिडोर में जमा की जाती है। इसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली से इन्हें ट्रेंचिग ग्राउंड ले जाया जाता है। इसके पूर्व रेलिंग निकालकर कॉरिडोर के अंदर रखी जा रही थी, लेकिन इससे अंदर चलने वाले वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो सकते थे, इसलिए पुलिस ने बीआरटीएस के चौराहों पर बैरिकेडिंग कर वाहन के सीधे कॉरिडोर में प्रवेश पर रोक लागने का प्रयास किया।

ठेकेदार ने बढ़ाई काम की गति-नगर निगम जनकार्य समिति के प्रभारी राजेन्द्र राठौर ने बताया कि बीआरटीएस एक साइड की रेलिग हटाने का काम तय समय सीमा में पूरा हो जाएगा। ठेकेदार ने काम की स्पीड बढ़ाई है। उसके पास फिलहाल कॉरिडोर से निकली रेलिग रखने की जगह नहीं थी, इसलिए कुछ समय तक रेलिंग यहां रखी जाएगी।

बीआरटीएस से निकालकर ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया जा रहा रेलिंग और अन्य मटेरियल

पौने दो करोड़ संपत्तिकर बकाया होने पर दफ्तर किया सील

खालसा कॉलेज को देना था प्रॉपर्टी टैक्स, लगातार दिए जा रहे थे नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 13 दिसंबर को होने वाली लोक अदालत को लेकर ज्यादा से ज्यादा वसूली किए जाने के लिए नगर निगम का राजस्व विभाग लगातार कोशिशे कर रहा हैं। बड़े बकायादारों पर प्रेशर डाला जा रहा है कि वो कर की राशि जमा करे। इसके लिए जब्ती, कुर्की आदि की कार्रवाई भी की जा रही है।

इसी कड़ी में गुरुवार को इंदर नगर निगम की राजस्व विभाग की टीम ने एक करोड़ 76 लाख का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया होने खालसा कॉलेज का दफ्तर सील कर दिया। सुबह निगम के अधिकारी और कर्मचारी खालसा कॉलेज पहुंचे और ऑफिस सील कर दिया। राजमोहल्ला जोन के सहायक राजस्व अधिकारी अखिलेश मालवीय ने बताया कि खालसा कॉलेज के ऑफिस को सील किया है। काफी वक्त से उनका टैक्स बकाया चल रहा है। टैक्स की राशि बढ़कर एक करोड़ 76 लाख हो गई थी। उन्हें कई बार नोटिस दिया गया और बोला भी गया, फिर भी राशि जमा नहीं कर रहे थे। उन्होंने ने बताया कि खालसा कॉलेज को 6 दिसंबर को नोटिस दिया था और तीन दिन में राशि जमा करने के लिए कहा गया था। लगातार नोटिस देने के बाद भी उनके द्वारा राशि जमा नहीं कराई गई। इसके चलते गुरुवार ये कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि अब भी

टैक्स जमा नहीं किया जाता है तो निगम की ओर से सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। वैसे कॉलेज प्रबंधन ने बीच में कुछ राशि जमा भी की है, पर अमाउंट बड़ा होने के कारण ऑफिस सील किया गया है।

25 बड़े बकायादार-मालवीय ने बताया कि शहर में 20 से 25 बड़े बकायादार हैं। उनकी लिस्ट तैयार कर ली गई है। उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं छोटे बकायादारों को कॉल करके टैक्स जमा करने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने बताया कि मरोठिया बाजार में भी निगम की टीम ने कार्रवाई की है। 13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। बकायादारों को इसमें आकर बकाया टैक्स जमा करने के लिए कहा जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में बकायादारों को सरचार्ज में छूट भी दी जा रही है। इसमें आने के लिए निगम अधिकारियों द्वारा प्रतिष्ठानों और संस्थानों में जाकर लोगों को पीले चावल भी दिए जा रहे हैं।

अग्रसेन चौराहे पर हंगामा, हाट वालों और निगम में विवाद, एमआईसी सदस्य मनीष मामा ने संभाला मामला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रसेन चौराहे पर हाट हटाने पहुंचे नगर निगम कर्मचारियों और दुकानदारों में अचानक विवाद छिड़ गया। बढ़ते तनाव के बीच एमआईसी सदस्य मनीष मामा मौके पर पहुंचे और स्थिति शांत कराई। ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए हाट को नई जगह व्यवस्थित किया गया।

इंदौर के व्यस्त अग्रसेन चौराहे पर गुरुवार शाम उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब नगर निगम की टीम हाट हटाने पहुँची। सड़क और लेफ्ट टर्न पर लगने वाली दुकानों के कारण लगातार ट्रैफिक जाम की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके चलते निगम एक्शन लेने पहुँचा था। लेकिन जैसे ही कर्मचारी हाट हटाने लगे, कई दुकानदारों ने आपत्ति जताई और मामला गर्माते हुए विवाद की स्थिति बन गई। इसी दौरान खबर मिलते ही एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा मामा मौके पर पहुंचे। उनके पहुंचते ही स्थिति कुछ शांत हुई और उन्होंने बिना देर किए दुकानदारों व निगम कर्मचारियों दोनों से बात करनी शुरू की। मनीष मामा ने दुकानदारों को समझाया कि निगम का उद्देश्य किसी का रोज़गार छीनना नहीं है, बल्कि ट्रैफिक को सुचारू रखना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने दुकानदारों से यह भरोसा दिलाया कि हाट को बंद नहीं किया जा रहा है, केवल इतना किया जा रहा है कि गलत जगह लगी दुकानों को हटाकर सभी को एक व्यवस्थित स्थान पर लगाया जाए, ताकि सड़क खुली रहे और ट्रैफिक भी प्रभावित न हो।

विवाद के दौरान कई दुकानदारों ने यह भी कहा कि वे निगम के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि अचानक कार्रवाई होने से परेशानी बढ़ती है। उनका मानना था कि अगर पहले से जानकारी दे दी जाती या किसी प्रतिनिधि के माध्यम से समझाया जाता, तो वे खुद ही अपनी दुकानें सही जगह शिफ्ट कर लेते। हालांकि, मनीष मामा के हस्तक्षेप के बाद माहौल में तनाव कम हुआ और सारी कार्रवाई शांतिपूर्वक संपन्न हो गई।

सड़क और लेफ्ट टर्न खाली कराने का फैसला

निगम अधिकारियों और एमआईसी सदस्य ने चौराहे का निरीक्षण करते हुए यह तय किया कि सड़क और लेफ्ट टर्न पर लगी दुकानों को तुरंत अंदर शिफ्ट किया जाएगा। उसके बाद कर्मचारियों ने मौके पर ही व्यवस्थित रूप से हाट की नई लाइनिंग तैयार करवाई, ताकि हर दुकानदार को जगह मिले और यातायात को भी कोई बाधा न हो। दुकानदारों ने भी मनीष मामा की समझाइश के बाद सहयोग किया और धीरे-धीरे अपनी दुकानें नए निर्धारित स्थान पर लगाने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे पर लंबे समय से ट्रैफिक की समस्या बनी हुई थी और हाट को इस तरह व्यवस्थित किए जाने से आने-जाने में काफी राहत मिलेगी।

ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास तेंदुआ देखा गया, वन विभाग ने निगरानी बढ़ाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवगुरड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास एक तेंदुआ देखा गया, जिससे नगर निगम के कर्मचारियों और कचरा स्थल के पास रहने वाले निवासियों में चिंता बढ़ गई है। यह घटना बुधवार रात को तब सामने आई जब एक कचरा संग्रहण वाहन चालक ने डंप यार्ड में शांति से घूमते हुए तेंदुए का वीडियो बनाया। वीडियो सामने आने के बाद अधिकारियों ने सुरक्षा एहतियात के तौर पर सभी कर्मचारियों को तुरंत उस स्थान से हटा दिया।

देवगुरड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड रालामंडल वन क्षेत्र से सटा हुआ है, जहां पांच से अधिक तेंदुए और कई अन्य जंगली जानवर रहते हैं। जैसे-जैसे आवासीय कॉलोनियां जंगल के किनारे के करीब फैलती गई हैं, मानव-बहुल क्षेत्रों में तेंदुओं की आवाजाही बढ़ गई है। अधिकारियों का कहना है कि जानवर अक्सर आवारा कुत्तों जैसे आसान शिकार की तलाश में जंगल, आसपास की कॉलोनियों और ट्रेंचिंग ग्राउंड के बीच घूमते रहते हैं। डीएफओ प्रदीप मिश्रा ने कहा कि रालामंडल तेंदुओं का प्राकृतिक आवास बना हुआ है, लेकिन तीव्र शहरी विकास के कारण तेंदुओं के दिखने की घटनाएं बढ़ गई हैं। निगरानी में सुधार लाने के उद्देश्य से, वन विभाग पांच किलोमीटर की निगरानी क्षमता वाला थर्मल इमेजिंग ड्रोन तैनात कर रहा है। यह उपकरण वन सीमा, खाई खोदने वाले क्षेत्र और आसपास की बस्तियों में तेंदुओं की रात्रिकालीन गतिविधियों का पता लगाने में सहायक होगा। अधिकारियों ने सफाईकर्मियों, कॉलोनी निवासियों और सुबह सैर करने वालों से सतर्क रहने और किसी भी नई घटना की सूचना तुरंत देने का आग्रह किया है।

दायित्ववान कार्यकर्ता होने के नाते हमारी जिम्मेदारी अधिक - अजय जामवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज भाजपा कार्यालय पर भाजपा पदाधिकारियों की परिचय बैठक क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, अजा वित्त विकास निगम अध्यक्ष सावन सोनकर, महामंत्री सुधीर कोल्हे, मुकेश कुकरेजा एवं कैलाश पिपले की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जामवाल ने पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी के दायित्ववान कार्यकर्ता है। दायित्ववान कार्यकर्ता होने के नाते हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है, क्योंकि आज दुनिया की नजर हम पर है। हम इसलिए भी सौभाग्यशाली हैं कि हमें दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और सबसे सशक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जैसा नेतृत्व मिला है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है, इसलिए पार्टी हम से जो अपेक्षा करती है, उसे पूरा करे।

उन्होंने कहा कि इस पार्टी को सिंचने में कई महापुरुषों एवं कार्यकर्ताओं ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, तब जाकर आज हम विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित हुए है। आने वाली पीढ़ी हमारे पूर्वजों की त्याग, तपस्या और संघर्षों से परिचित हो, विचारधारा को लेकर आगे बढ़ें और पार्टी का विस्तार हो, उस दृष्टि से हमें संगठन का कार्य कर प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत और आत्मनिर्भर निर्भर भारत के संकल्प को साकार करना है।

कीर समाज की वीरांगना मां पूरी बाई की भव्य शोभायात्रा निकाली

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● कीर समाज की वीरांगना मां पूरी बाई की 314 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार सुबह 10 बजे विशाल शोभायात्रा बैंड-बाजे के साथ बाबा बड़े हनुमान मंदिर से शुरू होकर नगर में स्थित अंकित परिसर अजनोद रोड पर पहुंची । शोभायात्रा में विभिन्न शहरों से आये अतिथि बड़ी संख्या में शामिल हुए । शोभायात्रा का रास्ते में जगह-जगह विभिन्न मंचों से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया । इसके बाद शोभायात्रा सभा में परिवर्तित हुई जहां कीर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर बटोही , प्रदेश अध्यक्ष उद्धमसिहं कीर, उज्जैन धर्मशाला के अध्यक्ष बने सिंह कीर, व मंच पर उपस्थित अतिथियों का राष्ट्रीय महामंत्री श्याम चौहान ने पुष्पमाला से स्वागत किया । अपने उद्बोधन में श्री चौहान ने स्वागत भाषण दिया । राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बटोही ने कहा कि वीरांगना मां पुरी बाई की वीरता, त्याग उनके गौरव शाली इतिहास की जानकारी दी । इस अवसर पर अंतरसिंह चुनाखेडा , मांगीलाल जी चिंतामन गणेश, गोपाल जी चिमली, विक्रमसिंह बीबी खेड़ी, रामेश्वर कीर, उमेश चौहान, संतोष सिसोदिया, नारायण जी शाहदा सहित बड़ी संख्या में इंदौर, धार, भोपाल, उज्जैन, झाबुआ, रायसेन, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, सीहोर, खंडवा, खरगोन सहित अनेक जिलों से समाजजन शोभायात्रा में शामिल हुए।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा और वाहन किया जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में जिले में अवैध मदिरा के विरूद्ध सतत कार्रवाई जारी है। कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी सी. के. साहू के नेतृत्व में वृत्त- भोई मोहल्ला शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। उक्त कार्रवाई में दौरान गस्त टीम ने एक दोपहिया वाहन सफेद एक्टिवा को रोककर तलाशी लेने पर उसके पिछे रखी एक पेटी से 12 बोतल विदेशी मदिरा (मैजिक मोमेंट ऑरेंज वोडका) परिवहन कर ले जाई जा रही थी। उक्त वाहन सहित अवैध मदिरा जप्त की गई।

अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य की अध्यक्षता में जिला शहरी विकास अभिकरण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला शहरी विकास अभिकरण की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में इंदौर जिले की सभी नगर परिषदों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ), डूडा के अधिकारी, इंजीनियर तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अपर कलेक्टर वैश्य ने इंदौर जिले में संचालित विभिन्न प्रमुख शहरी विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की वर्तमान स्थिति, चुनौतियाँ और आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को प्रदत्त ऋण, पुनर्भुगतान की स्थिति और लाभार्थियों की संख्या की प्रगति पर चर्चा हुई। जिले के बेटमा, सांवेर, महू और गौतमपुरा निकाय में कम प्रगति होने पर वैश्य ने असंतोष व्यक्त करते हुए लक्ष्य तय कर समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत आवास, निर्माणाधीन आवास और लंबित मामलों की समीक्षा की गई और लाभार्थियों को समय सीमा में आवास उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। इसके अलावा पात्र व्यक्तियों को आवासीय पट्टों के वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। अमृत 2.0 मिशन के अंतर्गत वाटर बॉडी परियोजना के तहत जल संरक्षण, जलस्रोतों के पुनर्जीवन, सौंदर्यीकरण तथा संरचनात्मक सुधार से जुड़ी परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले में किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। सभी निकायों को स्वच्छता गतिविधियों को और प्रभावी तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन के 100 दिनों से अधिक लंबित प्रकरणों की समीक्षा में राऊ नगर परिषद में सर्वाधिक प्रकरण लंबित होने पर सीएमओ राऊ को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का तत्काल समाधान किया जाये।

संभागायुक्त ने क्रिटिकल केयर सेंटर में मोड्यूलर ओटी, उपकरणों, सुविधाओं का किया अवलोकन एवं गुणवत्ता भी जांची

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े गुरुवार को बुरहानपुरा जिले के जिला चिकित्सालय अंतर्गत नव-निर्मित क्रिटिकल केयर सेंटर का अवलोकन करने पहुंचे। उन्होंने सेंटर में विकसित की जा रही अत्याधुनिक सुविधाओं, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों, निर्माण की प्रगति, उपलब्ध संसाधनों, विभिन्न कक्षों तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता, कार्य प्रगति और तकनीकी सुविधाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक जानकारी ली। 50 बेड की क्षमता वाले क्रिटिकल केयर सेंटर में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने एक्स-रे, मोड्यूलर ओटी, इमरजेंसी डेपार्टमेंट, फर्नीचर तथा उपकरणों का अवलोकन किया एवं लिफ्ट की गुणवत्ता भी जांची। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अवलोकन के दौरान कहा कि क्रिटिकल केयर सेंटर बुरहानपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई दिशा देगा। क्रिटिकल केयर सेंटर में एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की आपातकालीन एवं अन्य चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेगी, जिससे मरीजों को त्वरित उपचार मिल सकेगा।

ज्योतिष-वास्तु पर चर्चा के लिए देशभर से इंदौर आएंगे विद्वान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय ज्ञान परम्परा, ज्योतिष, वास्तु और कर्मकाण्ड विषयों पर आधारित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं सम्मेलन का आयोजन आगामी 14 दिसंबर 2025, रविवार को शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, इंदौर में होने जा रहा है। यह राष्ट्रीय आयोजन देशभर के विश्वविद्यालयों, पारंपरिक गुरुकुलों एवं अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों को एक मंच पर लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इसमें लगभग 100 से अधिक ज्योतिषाचार्य, शोधार्थी एवं प्राध्यापक सहभागी होंगे। आयोजन समिति के संयोजक योगेंद्र महंत, विभागाध्यक्ष डॉ. विनायक पाण्डेय तथा प्रभारी आचार्य गोपालदास बैरागी ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में देश के विख्यात ज्योतिर्विद एवं तंत्रकुल के संस्थापक आचार्य राजेश बेंजवाल (देहरादून) उपस्थित रहेंगे। वे आधुनिक संदर्भों में नाड़ी ज्योतिष, तंत्र सिद्धांत एवं वैदिक खगोल विज्ञान पर अपने विचार रखेंगे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरखपुर के सुविख्यात ज्योतिषाचार्य डॉ. साकेत मिश्रा भी संबोधित करेंगे। वे अपनी सटीक भविष्यवाणियों, शोधपरक दृष्टिकोण और शास्त्रीय पद्धति के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, शुक्रवार 12 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष टेलर का युवा मोर्चा महामंत्री राय ने भागवत गीता भेंटकर किया सम्मान

इंदौर • नवनियुक्त भाजपा प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष श्याम टेलर का भाजपा इंदौर युवा मोर्चा के महामंत्री निक्की राय ने भागवत गीता भेंटकर सम्मान किया। अभी हाल ही में भारतीय जनता पार्टी ने युवा मोर्चा में प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी श्याम टेलर को सौंपी है, इसी को लेकर उनका सम्मान किया। पदभार ग्रहण पूर्व महामंत्री राय ने साथियों के साथ शाजापुर पहुंच कर नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष टेलर का स्वागत किया । इंदौर युवा मोर्चा के नगर महामंत्री निक्की राय ने भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर को भागवत गीता भेंट की। उनके इस अनूठे सम्मान से टेलर भी अभिभूत हो गए। नगर महामंत्री निक्की राय हमेशा संगठन में अलग कार्यों से अपनी पहचान कायम रखे हुए है।

क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 21 को

इंदौर • क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 21 दिसंबर को आईटीआई के पास स्थित महाकाल गार्डन पर आयोजित होगा। सम्मेलन के लिए खजराना गणेश को प्रथम निमंत्रण दिया। सम्मेलन के लिए 850 से ज्यादा प्रविष्टि आई। देशभर के साथ ही विदेश से भी आई प्रविष्टियां। श्री क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रकांत कुंजीर, मिलिंद दीघे और स्वाति मोहिते ने बताया कि नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित इस परिचय सम्मेलन की तैयारियों का दौर लगातार चल रहा है। 21 दिसंबर को होने वाले हाईटेक युवक- युवती परिचय सम्मेलन के लिए शहर के साथ-साथ अन्य प्रदेशों और देश -विदेश की 850 से ज्यादा उच्च शिक्षित युवक युवतियों की प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी है और 1500 से ज्यादा प्रविष्ठियां आने की संभावना जताई जा रही है, इसमें डॉक्टर, इंजीनियर,वकील सहित उच्च शिक्षित युवक युवतियों की विदेश के हांगकांग,स्वीजरलैंड सहित अन्य जगहो से प्रविष्टि आई।

आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास के हाईटेक परिचय सम्मेलन के लिये सर्व ब्राह्मण

इंदौर •आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास के तत्वावधान में अ.भा. सर्व ब्राह्मण हाईटेक युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार, 28 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से राजीव गांधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर होगा। सम्मेलन के लिए 1800 से अधिक प्रविष्ठियां मिल चुकी हैं। इनमें देश के हिन्दी भाषी राज्यों के अलावा अमेरिका, यूरोप एवं अन्य देशों में कार्यरत भारतीय मूल के उच्च शिक्षित प्रत्याशी भी शामिल हैं। प्रविष्टियों के आने का क्रम लगातार जारी हैद्य प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर तय की गई हैद्य सम्मेलन के सुचारु संचालन के लिये अनेक समितियों का गठन हो चुका है। सम्मेलन में अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

शरण्या, विधि, महिका, दृष्टि व मिशा को योग स्पोर्ट्स में स्वर्ण

इंदौर • कार्पोरेशन योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा श्री वैष्णव स्पोर्ट्स एकडेमी मैं आयोजित स्वामी विवेकानंद योग स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के 08, 10, 12, 14 एवं 16 आयु वर्ग में क्रमश: शरण्या राठौर, विधि चौहान, महिका सिसोदिया, दृष्टि पचौरी व मीशा पटेल ने स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया ।विजेता खिलाड़ियों को मप्र योगा एसोसिएशन सहसचिव झमन सिंह चौहान, श्री वैष्णव हायर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य नवीन मुदगल, ईश्वर सिंह चौहान, राधेश्याम शर्मा ने पुरुस्कृत किया7 अथितियों का स्वागत रोहित बाजपेई, प्रदीप तिवारी आदित्यराज सोनी, मीनाक्षी गुप्ता,आदि ने किया ।

इंदौर में खुला खजराना का 'कुबेर खजाना' देशी-विदेश मुद्रा के साथ ये सब निकला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •शहर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर की दान पेटियां खोली गई हैं। हर 3 महीने में ये दान पेटियां खोली जाती हैं और नोटों की गिनती के साथ-साथ प्राप्त दान की गिनती होती है। एक बार फिर भक्तों के चढ़ावे की गणना की जा रही है। इंदौर के इस प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में दूर-दूर से भक्त अपनी मन्नत लेकर पहुंचते हैं। यहां की दान पेटियों से विदेशी नोट के साथ सोने-चांदी के आभूषण भी मिलते हैं।

इस बार क्या कुछ मिला

एक बार फिर इन पेटीयों को खोला गया है और वीडियोग्राफी के साथ नोटों की गिनती शुरू की गई है। खजराना गणेश मंदिर के मैनेजर घनश्याम शुक्ला जो खुद को सेवक बताते हैं, उन्होंने बताया कि साल में हर 3 महीने के बाद इन पेटीयों को खोला जाता है। पिछली बार जब इन पेटीयों को खोला गया था तब एक करोड़ 68 लाख का कलेक्शन किया गया था और 1 अगस्त को काउंटिंग खत्म कर दी गई थी।

इस बार जब पेटिया खोली गई तो अभी तक एक करोड़ 37 लाख का कलेक्शन बैंक में जमा किया जा चुका है, काउंटिंग लगातार जारी हैं। पूरे मंदिर परिसर में 42 पेटिया मौजूद है। मुद्रा के साथ भक्तगण अपनी मन्नत लिखी हुई चिट्ठी भी दानपात्र में डालते हैं। कई विदेशी मुद्राएं भी इन दान पेटीयों में से निकलती है, एनडीटीवी से बातचीत में घनश्याम शुक्ला बताते हैं प्रवासीय भारतीय सम्मेलन के दौरान कई विदेशी मुद्राएं प्राप्त हुई थीं, हालांकि उसके तुलना में फिलहाल कम मुद्रा यहां पर आती है। इनमें ज्यादातर यूएसए, लंदन और अलग-अलग प्रमुख देशों की होती है।

बाइक पर स्कूटी रखकर ले जाते दिखे लड़के, दोस्तों के साथ रात में हुड़दंगई का वीडियो हुआ वायरल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो चुके हैं, जहां कभी किसी बाइक पर 7-8 लड़के सवार दिखते हैं तो कभी ट्रैक्टर पर डीजे बजाते हुए स्टंट करते दिखते हैं। वहीं, कभी कुछ लोग स्कूटी पर लेटकर ड्राइविंग करते दिख जाते हैं। हर बार पुलिस इन पर कार्रवाई करती है, इनका चालान काटती है, लेकिन कुछ समय बाद ही ऐसा ही नया वीडियो फिर से सामने आ जाता है। सोशल मीडिया पर अक्सर स्टंट करते लड़कों का वीडियो वायरल होते रहता है, लेकिन हाल में जो वीडियो सामने आया, वह देखकर तो लोगों का दिमाग ही घूम गया। वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि दो लड़के रात के अंधेरे में एक बाइक पर स्कूटी लादकर ले जाते दिख रहे हैं। इन लड़कों के साथ उनके दोस्त भी अपनी-अपनी बाइक पर दिख रहे हैं। 8-10 लड़कों की टोली रात में सड़कों पर हुड़दंगई करते हुए दिख रही है, जिसका वीडियो वे खुद अपने फोन में रिकॉर्ड कर रहे हैं। फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो को इंस्टाग्राम के अकाउंट से शेयर किया गया है। जिसे अब तक लाखों लोगों ने देखा और लाइक किया है। पोस्ट में यह वीडियो मध्य प्रदेश के इंदौर का बताया गया है।

शहर में बढ़ते जाम का असली सच: नियमों की अनदेखी बना रही नागरिकों की राह दुश्वार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सुबह-शाम सड़कों पर लंबी कतारों में फँसी गाड़ियों का दृश्य अब आम हो गया है, लेकिन यह जाम केवल 'ट्रैफिक की समस्या' नहीं, बल्कि नागरिकों की लापरवाही और जल्दबाज़ी का प्रत्यक्ष परिणाम है। जाम लगने की ये शुरुआती तस्वीरें साफ संकेत देती हैं कि यह अव्यवस्था किसी बाहरी कारण से नहीं, बल्कि नियमों को तोड़ने की अपनी ही आदतों से पैदा हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सड़कों पर पैदा होने वाला जाम केवल वाहनों का जमावड़ा भर नहीं, बल्कि नागरिकों की उस मानसिकता का प्रमाण है जिसमें हर कोई 'पहले मैं' की भावना के साथ बिना संकेतों, लेन और नियमों की परवाह किए आगे निकलने की कोशिश करता है। यही जल्दबाज़ी धीरे-धीरे जाम को विकराल रूप दे देती है और अंतत: आम लोगों को घंटों की परेशानी झेलनी पड़ती है।

जाम का असर सिर्फ समय की बर्बादी तक सीमित नहीं। लगातार चलती गाड़ियों से ईंधन की खपत बढ़ती है, प्रदूषण हवा में जहर घोलता है और तनाव शरीर पर सीधा प्रहार करता है।

डॉक्टर चेताते हैं कि बढ़ता ब्लड प्रेशर, चिड़चिड़ापन और श्वास संबंधी रोग, इन सबकी जड़ में वही यातायात अव्यवस्था है जिसे नागरिक स्वयं जन्म दे रहे हैं। ट्रैफिक विभाग का कहना है कि शिकायतें बहुत मिलती हैं, हम सुधारने का भरसक प्रयास भी करते हैं, लेकिन संपूर्ण सुधार तभी संभव है जब नागरिक स्वयं नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी स्वीकार करें। यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ राजकुमार जैन मानते हैं कि संदेश स्पष्ट है, 'नियम पालन कोई अहसान नहीं, यह आपकी ही सुरक्षा और सुविधा के लिए है। 'वो आगे कहते हैं कि जाम से जूझते शहर के लिए यही समय है जब हर नागरिक यह तय करे कि वह समाधान का हिस्सा बनेगा या समस्या को बढ़ाएगा। घर से निकलते समय एक छोटा सा संकल्प, लेन में चलना, ओवरटेकिंग से बचना, संकेतों का पालन करना, सड़क पर बड़ा बदलाव ला सकता है। नियम अपनाएं, जाम रोकें, क्योंकि यह जिम्मेदारी भी हमारी ही है और असर भी हम पर ही पड़ता है।

स्ट्रीक्स ने बनाया जसप्रीत बुमराह को ब्रांड एंबेसडर

इंदौर •हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट (एचआरआई) के भारत के अग्रणी हेयर कलर और केयर ब्रांड स्ट्रीक्स ने अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर के लिए भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह साझेदारी एक ऊर्जावान नए कैंपेन मैं फास्ट, स्ट्रीक्स सुपरफास्ट के साथ लॉन्च की जा रही है जो आत्मविश्वास, गति और सहज स्टाइल का जश्न मनाता है।

हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग, प्रियंका पुरी ने इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा हम स्ट्रीक्स परिवार में जसप्रीत बुमराह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। स्ट्रीक्स हमेशा से सुंदरता, आत्मविश्वास और दैनिक ग्लैमर का प्रतीक रहा है और हमारा स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर उस वादे को सबसे तेज़ और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। आज के उपभोक्ता चाहते हैं कि वे तुरंत बेहतरीन दिखें, और हमारा सुपर-फास्ट फ़ॉर्मूला केवल कुछ मिनटों में शानदार बालों का रंग प्रदान करता है, वह भी चमक और गुणवत्ता से बिना किसी समझौते के।

गुनगुनी दोपहरी और ढलती सांझ के बीच महिला प्रकोष्ठ की सौ से अधिक सखियों ने संजोई विंटर पार्टी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 'लव यू जिन्दगी' कार्यक्रम की श्रृंखला में महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की मेजबानी में गुरुवार को करीब 100 सखियों ने गुनगुनी दोपहरी और ढलती सांझ के बीच बिदा ले रहे अंग्रेजी वर्ष 2025 को मस्ती और धमाल के माहौल में विदाई दी। नाचते-गाते और डीजे बीट्स की अनुगूंज के साथ विंटर ड्रेस कोड में सजी-धजी सखियों ने राऊ बायपास स्थित, सेज यूनिवर्सिटी के सामने एक रिसोर्ट पर मनोहारी डेकोरेशन के बीच फन और मस्ती के आलम में एकदूसरे के साथ अपनी खुशियाँ साझा की। प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रतिभा मित्तल ने बताया कि इस अवसर पर सभी सखियों के लिए आकर्षक उपहार, दोपहर के भोज एवं मनोरंजक व्यवस्थाएं संजोयी गई थी। सखियों ने आकर्षक गेम्स भी खेले और भरपूर मनोरंजन का लुत्फ भी लिया। इस दौरान बेस्ट ड्रेसअप के लिए नीलम, लकी ड्रा में स्वाति, प्रीति, मोना और एक अन्य स्वाति ने बाजी मारी। विभिन्न स्पर्धाओं में अंजलि, संगीता, सीमा और नीलिमा ने पुरस्कार जीते।

वरिष्ठ सर्जन प्रो. डॉ सतीश शुक्ला को दो अंतरराष्ट्रीय सम्मान देश के इकलौते चिकित्सक जिन्हें ये दो अवार्ड मिले

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एम जी एम मेडिकल कालेज के अल्यूमनि, प्रोफेसर, सर्जन, कई संगठनों का दायित्व संभालकर, मार्गदर्शन देने वाले, कई मेडिकल छात्रों को पालकों की तरह सहायता करने वाले प्रो. डॉ सतीश शुक्ला को 2 अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

1) पहला अवार्ड आयकोन सर्जन ऑफ सार्क एशिया, जिसकी घोषणा चयन समिति के अध्यक्ष, पाकिस्तान के डॉ अब्दुल माजिद चौधरी ने किया द्य डॉ शुक्ला की 2 पुस्तके 'India Golden Era to Era of Hope', History of Medicine अति प्रसिद्ध है ।

2) दूसरा सम्मान, वर्ल्ड बुक ऑफ अवार्ड की ओर से जनवरी 2026 को लंदन में आयोजित 9ह्लद्ध पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ शुक्ला को दिया जाएगा द्य यह सम्मान डॉ सतीश शुक्ला द्वारा बनाए गए मई 2025 में बनाए सर्जनस ह्लह्ल स्ष्टस्द्मश्वरु ॥ह्लस्ठश्वक्र के लिए दिया जा रहा है द्य ह्लह्ल स्ष्टस्द्मश्वरु ह्लह्ल स्ञ्जश्वह्लह्ल कहा भी जाता है। डॉ सतीश शुक्ला को एक साथ 2 अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिलने पर एम जी एम अल्यूमीनि असोसिएशन के अध्यक्ष डॉ संजय लौंढे, सचिव डॉ विनीता कोठारी, डॉ दिलीप आचार्य, डॉ शेखर राव ने बधाई दी है ।

पटवारी, चौकसे सहित सात नेता प्रदेश एमएलए कोर्ट से बरी इंदौर में बिना अनुमति मशाल रैली निकालने का मामला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कोरोना संक्रमण के समय शहर में धारा 144 लागू होने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मशाल रैली निकाली थी। इस मामले में परदेशीपुरा पुलिस ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी और सात नेताओं को आरोपी बनाया गया था। पांच साल तक चले केस के बाद अब सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया है। इसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, पार्षद राजू भदौरिया और अन्य शामिल हैं। प्रथम श्रेणी एवं विशेष न्यायाधीश देव कुमार की एमपी एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस नेताओं पर चल रहे केस को खारिज करते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया। कांग्रेस नेताओं की ओर से एडवोकेट जय हार्डिया ने पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि 2020 में कोरोना संक्रमण के दौरान परदेशीपुरा थाने में सात कांग्रेस नेताओं के खिलाफ चार धाराओं में केस दर्ज किया गया था। पांच साल तक चले ट्रायल में पुलिस द्वारा कोर्ट में प्रस्तुत साक्ष्यों से यह स्पष्ट हुआ कि प्रकरण क्रमांक ही सही नहीं लिखा गया था। धारा 188 के उल्लंघन पर पुलिस कार्रवाई कर सकती है, लेकिन इसके लिए पहले एसडीएम के समक्ष प्राइवेट कंप्लेंट लगाना आवश्यक होता है। पुलिस ने इस मूल प्रक्रिया को पूरा नहीं किया और कई गलतियां कीं। इसके अलावा, इस केस में जो गवाह थे, उन्हें लेकर पुलिस पुख्ता पक्ष कोर्ट में नहीं रख सकी। इन सभी तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

भाजपा कार्यालय में जामवाल की बैठक - इधर, भाजपा कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

12 साल से कम उम्र के बच्चे भी ले रहे हैं नशा, एम्स की रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

एम्स का यह अध्ययन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, बंगलुरु और हैदराबाद समेत देश के दस शहरों एवं उनके आसपास के ग्रामीण इलाकों में किया गया। इसमें सरकारी और निजी स्कूली के छात्रों को शामिल किया गया। बच्चों में आमतौर पर नई चीजों को जानने-समझने और परखने की जिज्ञासा होती है। ऐसे में अगर वे नशे का सेवन करने वाले किसी साथी या अन्य व्यक्ति के संपर्क में रहते हैं, तो उन्हें भी यह लत लगने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा मानसिक दबाव और तनाव भी बच्चों को नशे के जाल में धकेल सकता है। देश भर में हाल में किए गए एक अध्ययन में इन पहलुओं को उजागर किया गया है। दिल्ली एम्स के शोधकर्ताओं ने कुछ अन्य शोधार्थियों के साथ मिलकर यह अध्ययन किया, जिसमें पाया गया कि स्कूली छात्रों के बारह साल या इससे कम उम्र में ही नशे की जद में आने का जोखिम बना रहता है। इसका मुख्य कारण आज के दौर में बच्चों का नशीले पदार्थों तक आसानी से पहुंच है। सवाल है कि इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? शहर से लेकर गांव तक नशे का जो काला कारोबार फैल रहा है, उसे रोकने के प्रयास जमीनी स्तर पर कारगर साबित क्यों नहीं हो पा रहे हैं? दरअसल, एम्स का यह अध्ययन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, बंगलुरु और हैदराबाद समेत देश के दस शहरों एवं उनके आसपास के ग्रामीण इलाकों में किया गया। इसमें सरकारी और निजी स्कूली के छात्रों को शामिल किया गया। इस दौरान पंद्रह फीसद छात्रों ने कम से कम एक बार नशीले पदार्थों का सेवन करने की बात स्वीकार की, जबकि दस फीसद ने पिछले एक वर्ष में मादक पदार्थ लेने की बात कही। इससे पता चलता है कि बारह वर्ष या उससे कम उम्र में भी बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं। अध्ययन के दौरान एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी सामने आया कि कई बार बच्चे पारिवारिक कलह से उपजे तनाव को कम करने के लिए भी नशीले पदार्थों का सहारा लेते हैं। इससे स्पष्ट है कि बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए पारिवारिक माहौल का स्वस्थ होना कितना जरूरी है। अभिभावकों की यह भी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के साथ नियमित संवाद करें तथा उन्हें सही और गलत का बोध कराएं। साथ ही शासन-प्रशासन को भी चाहिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए उसकी जड़ों पर प्रहार किया जाए।

इंडिया से भारत नाम परिवर्तन प्राइवेट मेंबर बिल 2025 - संवैधानिक प्रावधानों ऐतिहासिक आधारों और सांस्कृतिक पहचान का समग्र विश्लेषण

भारत नाम वेदों,पुराणों, महाभारत और कूटनीतिक साहित्य में हजारों वर्षों से मौजूद है,जो केवल एक नाम नहीं बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा है- वैश्विक स्तरपर यह गूंज उठना शुरू हुई है कि भारत का नाम क्या होना चाहिए,इंडिया या भारत यह प्रश्न भारतीय राजनीतिक इतिहास में भी समय-समय पर चर्चा का विषय रहा है। दिसंबर 2025 के शीतकालीन सत्र में जयपुर से एक सांसद द्वारा एक महत्वपूर्ण प्राइवेट मेंबर बिल के रूप में यह प्रस्ताव फिर से संसद के केंद्र में आ गया है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत कहा है। इस प्रस्ताव ने न केवल संसद बल्कि विशेषज्ञों,इतिहासकारों, संवैधानिक विद्वानों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी एक नई बहस को जन्म दिया है। प्रस्ताव में कई ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भाषाई तर्क प्रस्तुत किए गए,जिनके आधार पर भारत को राष्ट्र का एकमात्र आधिकारिक नाम घोषित करने की मांग उठाई गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रस्ताव देश की आत्मा ऐतिहासिक पहचान और समकालीन राष्ट्रीयता के बीच एक संवाद स्थापित करता है।इस प्रस्ताव के अनुसार, यह तथ्य सर्वविदित है कि भारतीय उपमहाद्वीप को सदियों से विश्व के विभिन्न हिस्सों में अलग- अलग नामों से जाना जाता रहा है,सिंधु घाटी सभ्यता के कारण इंडस, फ़ारसी भाषाई प्रभाव के कारण हिंदोस से हिंदुस्तान, और वैदिक परंपरा के मूल में भारत नाम।भारत शब्द का उल्लेख वेदों पुराणों उपनिषदों से लेकर महाभारत और कूटनीतिक साहित्य तक प्राचीन काल से मिलता है।प्रस्ताव का पहला मुख्य तर्क यही है कि भारत वह प्राचीन, सभ्यतागत और सांस्कृतिक नाम है, जिससे यह भूमि सहस्राब्दियों से पहचानी जाती रही है। संसद में दिए गए वक्तव्य में कहा गया कि जिस देश को हम सदियों से मदर इंडिया या मदर लैंड कहते रहे हैं, उसका वास्तविक, ऐतिहासिक और साहित्यिक नाम भारत ही है। दिसंबर 2025 में जयपुर से एक सांसद द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र में एक महत्वपूर्ण प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह प्रस्ताव रखा गया कि राष्ट्र का नाम इंडिया से बदलकर भारत कर दिया जाए। यह प्रस्ताव केवल भाषाई या शब्दावली परिवर्तन नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, औपनिवेशिक इतिहास, संवैधानिक प्राथमिकताओं और सांस्कृतिक आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। बिल में कई संरचनात्मक तर्क, ऐतिहासिक साक्ष्य अंतरराष्ट्रीय संदर्भ और संविधान आधारित प्रावधान शामिल किए गए, जो भारत को राष्ट्र का एकमात्र आधिकारिक नाम घोषित करने की मांग करते हैं।

साथियों बात अगर हम भारत नाम की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ें इसको समझने की करें तो,बिल के प्रारंभिक भाग में यह उल्लेख किया गया है कि जिस देश को हम सदियों से भारतवर्ष कहते आए हैं, उसका मूल नाम भारत ही है। बिल के अनुसार, यह नाम वेदों, पुराणों, महाभारत और कूटनीतिक साहित्य में हजारों वर्षों से मौजूद है। ब्रिटिश शासनकाल से पूर्व अंतरराष्ट्रीय यात्रियों, विद्वानों और इतिहासकारों ने इस भूमि को भारत के रूप में ही संबोधित किया।बिल का तर्क है कि भारत शब्द केवल एक नाम नहीं बल्कि सभ्यता की आत्मा, सांस्कृतिक मूल्यों आध्यात्मिक दर्शन और राष्ट्रीय पहचान का प्रतिनिधि है।बिल में यह स्पष्ट किया गया है कि इंडिया शब्द का औपचारिक उपयोग कॉलोनियल पीरियड में बढ़ा और ब्रिटिश प्रशासन ने इसे सरकारी दस्तावेज़ों में मानक रूप में स्थापित कर दिया।हालाँकि भारतीय समाज ने हमेशा साहित्य, संस्कृति, धर्म और दार्शनिक परंपरा में भारत शब्द का ही उपयोग किया। बिल में कहा गया है कि आज़ादी के 78 वर्ष बाद भी औपनिवेशिक शब्दावली का उपयोग करना एक राष्ट्रीय विसंगति है, जिसे सुधारने का यही उचित समय है। साथियों बात अगर हम संविधान का अनुच्छेद 1 और बिल का मुख्य संवैधानिक आधार इसको समझने की करें तो बिल का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 है जिसमें लिखा है: 'इंडिया, दैट इज भारत, शैल बी ए यूनियन ऑफ़ स्टेट्स 'बिल में कहा गया: संविधान ने भारत को मूल नाम और इंडिया को अनुवाद या वैकल्पिक नाम के रूप में रखा।हिंदी संस्करण और कई भारतीय भाषाओं के स्वीकृत संस्करणों में राष्ट्र का नाम भारत ही है।संविधान की व्याख्या के अनुसार, जब कोई एक नाम मूल है, तो राष्ट्रीय सम्मान, दस्तावेज़ों, सरकारी संचार और अंतरराष्ट्रीय पहचान में वही नाम प्राथमिक होना चाहिए।बिल में यह भी प्रस्ताव रखा गया है कि आवश्यकता होने पर संविधान के अंग्रेज़ी अनुवाद में संशोधन किया जाए ताकि इंडिया शब्द को हटाकर केवल भारत नाम ही सभी दस्तावेज़ों में प्रयोग किया जाए। साथियों बात अगर हम बिल में शामिल प्रस्तावित प्रावधानों को समझने की करें तो,बिल में निम्नलिखित मुख्य प्रावधानों का उल्लेख किया गया है:(अ) राष्ट्र का एकमात्र आधिकारिक नाम भारत घोषित किया जाए।यह प्रावधान कहता है किसरकारी दस्तावेज़, पासपोर्ट, मुद्रा, कोर्ट रिकॉर्ड, राजपत्र, मंत्रालयों के नाम, विदेश मंत्रालय के दस्तावेज़ अंतरराष्ट्रीय समझौते सबमें केवल 'भारत' लिखा जाए। 'रिपब्लिक ऑफ़ इंडिया' को बदलकर 'रिपब्लिक ऑफ़ भारत' या 'भारत गणराज्य' कियाजाए (ब) सभी संवैधानिक और गैर-संवैधानिक दस्तावेज़ों में इंडिया शब्द का उपयोगचरणबद्ध तरीके से बंद हो।बिल में 3 वर्षों की संक्रमण अवधि का प्रस्ताव रखा गया है।इस अवधि में सरकारी एजेंसियाँ अपने दस्तावेज़ वेबसाइट,साइनेज और एम्बलम अपडेट करेंगी।(क) स्कूल, विश्वविद्यालय और अन्य अकादमिक पाठ्यक्रमों में भारत नाम को मानक रूप में लागू किया जाए।इतिहास, राजनीति, भूगोल और नागरिक शास्त्र की पुस्तकों में भारत का ही उपयोग हो।सीबीएसई, एनसीईआरटी तथा यूजीसी को निर्देश जारी करने का प्रस्ताव।(ड) अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ भारत का आधिकारिक नाम भारतके रूप में दर्ज कराया जाए।यूएन आईएमफ, वर्ल्ड बैंक,डब्लूटीओ यूनेस्को आदि में नाम अपडेशन का प्रस्ताव।(ई) संविधान के अंग्रेज़ी अनुवाद में संशोधन करके इंडिया शब्द को हटाया जाए।सभी आधिकारिकअनुवादों में प्राथमिकता भारत को दी जाए।(फ़) नागरिकों और वैश्विक मंचों पर भी राष्ट्र का एकीकृत नाम उपयोग में लाया जाए।बिल कहता है कि 'एक स्वतंत्र राष्ट्र को एक ही पहचान और एक ही नाम होना चाहिए।' इन प्रावधानों का उद्देश्य राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को एकीकृतकरना और औपनिवेशिक अवशेषों से छुटकारा पाना है।

साथियों बात अगर हम शहरों के नाम बदले जा सकते हैं, तो राष्ट्र का क्यों नहीं? इसको समझने की करें तो,बिल में यह बेहद मजबूत तर्क दिया गया कि भारत ने पिछले वर्षों में शहरों और राज्यों के नाम उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्वरूप में बदले, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, प्रयागराज, गुरुग्राम इत्यादि तो सवाल यह है कि यदि शहरों और स्थानों के नाम उनके सांस्कृतिक मूल के अनुरूप बदले जा सकते हैं, तो देश के नाम को उसके मूल स्वरूप भारत में क्यों नहींलौटाया जाए?इस तर्क के अनुसार, यदि स्थानों के औपनिवेशिक नाम बदले जा सकते हैं, तो देश के नाम पर भी समान सिद्धांत लागू होना चाहिए।संस्कृति, सभ्यता और भारत की पहचान बिल का चौथा तर्क सांस्कृतिक और सभ्यतागत आयाम पर केंद्रित है। प्रस्ताव में कहा गया,भारत शब्द में हजारों वर्षों के धार्मिक, सामाजिक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक मूल्यों की परंपरा निहित है।महाभारत,विष्णु पुराण और अन्य ग्रंथों मेंभारतवर्ष का उल्लेख मिलता है।सभ्यता और संस्कृति का वास्तविक प्रतीक भारत है,न कि इंडिया इस परिप्रेक्ष्य में बिल स्पष्ट करता है कि भारत मात्र एक नाम नहीं बल्कि एक निरंतर सभ्यता की पहचान है,जो समयराजनीति और राजवंशों से परे है।अंग्रेज़ी अनुवाद में विसंगति और सुधार का प्रस्ताव,बिल में कहा गया है कि अंग्रेज़ीट्रांसलेशन की वजह से इंडिया शब्द प्रशासनिक रूप से प्रमुख हो गया।बिल काप्रस्ताव अंग्रेज़ी अनुवाद समिति बनाई जाए।यह समिति संविधान एवं अन्यकानूनी दस्तावेज़ों के अंग्रेज़ी संस्करण को भारत नाम के अनुरूप परिवर्तित करेगी। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय संदर्भ,विश्व साहित्य में भारत का उल्लेख इसको समझने की करें तो बिल के अनुसार:जर्मनी ने 1800 के दशक में भारत को भारत कहा था।कई अंतरराष्ट्रीय यात्रियों, ह्वेनसांग मेगास्थनीज़, फाह्यान, अल-बिरूनी,ने भारत को एक एकीकृत सांस्कृतिक इकाई भारतवर्ष कहा है।विश्व साहित्य तथा विदेशी शोधों में भी यह शब्द अक्सर मिलता है।इस तर्क के अनुसार,भारत कीअंतरराष्ट्रीय पहचान ऐतिहासिक रूप से भारत शब्द के साथ अधिक संगत बैठती है। स्वतंत्र राष्ट्र के लिए एक नाम की आवश्यकता है बिल के अंतिम तर्क में कहा गया:एक स्वतंत्र राष्ट्र को अपनी पहचान के लिए एक ही नाम रखना चाहिए।इंडिया और भारत दोनों नामों का समानांतर उपयोग भ्रम पैदा करता है।संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक मंचों पर एक ही नाम से जाना जाना अंतरराष्ट्रीय स्थिति को मजबूत करता है।इस दृष्टिकोण से बिल यह मांग करता है कि स्वतंत्र भारत को, संवैधानिक मान्यता प्राप्त नाम भारत के आधार पर अपनी पहचान तय करनी चाहिए। साथियों बात अगर हम इंडिया का नाम भारत होने के संभावित फायदे और नुकसान इसको समझने की करें तो इसके मुख्य फायदे यह माने जाते हैं कि भारत नाम राष्ट्र की प्राचीन सभ्यता, ऐतिहासिक विरासत और स्वदेशी पहचान को अधिक स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान सुदृढ़ हो सकती है, जैसे नेपाल या ईरान ने अपने पारंपरिक नामों को अपनाकर किया।इसके अतिरिक्त भारत नाम संवैधानिक रूप से पहले से मान्य है, जिससे घरेलू स्तर पर आत्मगौरव और सांस्कृतिक एकरूपता की भावना मजबूत हो सकती है।हालाँकि, इसके नुकसान भी व्यावहारिक स्तर पर महत्वपूर्ण हैं। वैश्विक व्यापार, कूटनीति, पासपोर्ट, अंतरराष्ट्रीय संधियों, निवेश दस्तावेजों और ब्रांडिंग में इंडिया नाम लंबे समय से स्थापित है। इसे बदलने से बड़े पैमाने पर प्रशासनिक व्यय, दस्तावेजों के पुनर्लेखन की लागत और अस्थायी भ्रम उत्पन्न हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार साझेदारों के लिए भी संक्रमण काल चुनौतीपूर्ण होगा। इसके अलावा,इंडिया ब्रांडवैश्विक अर्थव्यवस्था में एक स्थिरपहचान रखता है; अचानक परिवर्तन विदेशी निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर सकता है। अत: अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,भारत नाम परिवर्तन बिल केवल शब्द परिवर्तन का प्रस्ताव नहीं है, बल्कि यह उस गहरे प्रश्न से संबंधित है कि आखिर भारत अपनी राष्ट्रीय पहचान को कैसे प्रस्तुत करना चाहता है?प्रस्ताव में ऐतिहासिकता, सांस्कृतिक निरंतरता, संविधान, अंतरराष्ट्रीय संदर्भ और औपनिवेशिक विरासत सभी तत्व शामिल हैं।यदि यह प्रस्ताव स्वीकृत होता है, तो भारत की पहचान विश्व मंच पर एक प्राचीन सभ्यता आधारित राष्ट्र के रूप में और अधिक सशक्त होगी।यदि यह प्रस्ताव आगे बहस के लिए भेजा जाता है, तो यह आने वाले वर्षों में राजनीतिक, संवैधानिक और सांस्कृतिक विमर्श का केंद्र रहेगा। संकलनकर्ता लेखक - **किशन सनमुखदास भावनानी,** गोंदिया महाराष्ट्र

आंचलिक

पोस्ट ऑफिस में खुलेगा रेलवे रिजर्वेशन काउंटर, पासपोर्ट सेवा केंद्र के साथ एक ही भवन में मिलेंगी सभी सुविधाएं

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के निवासियों को अब एक ही भवन में पोस्ट ऑफिस, पासपोर्ट सेवा केंद्र और रेलवे रिजर्वेशन की सुविधा मिलेगी। इससे आमजन को विभिन्न कार्यालयों के अलग-अलग चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। यह सुविधा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल की मांग पर शुरू की जा रही है। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने जिला मुख्यालय पर संचालित पोस्ट ऑफिस सह पासपोर्ट सेवा केंद्र के भवन में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर स्थानांतरित करने की मांग की थी। रेल प्रशासन ने इस मांग पर संज्ञान लिया है। सांसद ने 15 मार्च 2025 को रतलाम मंडल को इस संबंध में पत्र भेजा था। इसके बाद विभागीय स्तर पर संयुक्त स्थल निरीक्षण किया गया। रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे द्वारा भेजे गए आधिकारिक उत्तर में बताया गया है कि नॉन-रेल हेड पीआरएस काउंटर को उक्त भवन में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शीघ्र ही पूरी कर ली जाएगी। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रतलाम मंडल जन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। सांसद के प्रयासों से यह सुविधा शीघ्र ही एक ही भवन से संचालित होगी, जिससे खरगोन के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी।

जहर खाकर सीएचओ बोलीं- बीएमओ प्रताड़ित करते हैं, वेतन रोकने, जातिवाद के आरोप लगाए, अस्पताल में भर्ती हुई

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● बुधवार देर शाम को एक महिला अधिकारी ने जहर खा लिया। महिला का पति उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। महिला सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) के पद पर किल्लौद ब्लॉक के मालूद गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र पर पदस्थ है।

सीएचओ पार्वती सोलंकी का आरोप है कि, बीएमओ के द्वारा लगातार उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। वेतन रोक दिया गया, फिर कमीशन मांगने लगा। जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। इसी से आहत होकर उसने आत्महत्या के लिए कदम उठाया। महिला सीएचओ की हालत स्थिर है। सीएमएचओ डॉ. ओपी जुगतावत भी सीएचओ का हाल जानने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे थे। महिला के पति महेश डाबर का कहना है कि, वे ट्रैवल एजेंसी का काम करते हैं। अवकाश के दौरान भी पत्नी को नोटिस जारी कर दिया गया। वेतन रोकने की बात कहीं गई। बीएमओ ने 12 दिन का वेतन निकालने के लिए 5 हजार रुपए मांगे। शिकायत पर जांच कमेटी बनाई गई, लेकिन कमेटी ने जांच प्रतिवेदन तक नहीं दिया। पार्वती को बुधवार शाम 5 बजे ड्यूटी से लेकर घर लौटा था, मैंने चाय पी और मार्केट में चले गया। घर आया तो पार्वती बेसुध थी। पूछा तो चूहामार दवा खाने की बात कहीं। सीएचओ को परेशान करने जैसा कुछ नहीं हैं। वो 15 दिन से बिना सूचना दिए अनुपस्थित थी। नोटिस दिया तो जवाब नहीं दिया, उल्टा उसके पति ने शराब पीकर अस्पताल में हंगामा किया। हमने कोई एक्शन नहीं लिया। जबरन एसपी और सीएमएचओ से शिकायत कर दी। उस पर जांच हुई तो वो खुद दोषी पाई गई। कुछ दिन बाद राज्य स्तरीय वर्कशॉप से भी वह नदारद रही। इस लापरवाही पर जिला स्तर से नोटिस जारी हुआ, नोटिस मिलने के बाद वो अस्पताल में भर्ती हो गई। पति ने जहर खाने की बात बताई, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है। वो सरासर नौटंकी कर रही हैं। मुझ पर लगाए सारे आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष की पत्नी ने सरपंच पर किया केस, सड़क को लेकर विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज माने की पत्नी की शिकायत पर जैनाबाद सरपंच जयाश्री महेंद्र इंगले, उनके पति महेंद्र इंगले और भाई राजू पिता खेमचंद इंगले के खिलाफ शिकारपुरा थाने में विभिन्न धाराओं (191-2, 296 ए, 115-2, 351-3) में मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई के विरोध में जैनाबाद के ग्रामीणों और सरपंच समर्थकों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। मामला गांव में बन रहे एक सीसी रोड से वाहन निकालने को लेकर शुरू हुआ। मंगलवार को भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज माने के ड्राइवर ने गांव में बने नए रोड से ट्रैक्टर-ट्रॉली निकाली। इस पर सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र इंगले ने आपत्ति जताई और कहा कि नया रोड खराब हो जाएगा। इस बात को लेकर सरपंच प्रतिनिधि और भाजपा जिलाध्यक्ष के परिवार के बीच विवाद हुआ। मंगलवार दोपहर को विवाद के बाद रात में भी विवाद हुआ। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष की पत्नी की शिकायत पर बुधवार को शिकारपुरा थाने में केस दर्ज किया गया। दूसरी ओर, इंगले परिवार की ओर से भी शिकारपुरा थाना, आजाक थाना और एसपी को शिकायत की गई है। गुरुवार को जैनाबाद के कई रहवासी और सरपंच समर्थक, समाज के लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर सृजन श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि यह कार्रवाई दबाव में की गई है और इसकी जांच होनी चाहिए।

शराब बिक्री को लेकर ठेकेदार-ढाबा संचालक भिड़े, पुलिस रेड के बाद चले लाठी-डंडे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● पदमनगर थाना क्षेत्र में इंदौर नाका स्थित 'बाबा का ढाबा' पर बुधवार देर रात अवैध शराब की बिक्री को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। शराब ठेकेदार और ढाबा संचालक के लोग आमने-सामने हो गए और नौबत लाठी-डंडे चलने तक आ गई। इस संघर्ष में चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे, जहां देर रात शराब ठेकेदार इंदल सिंह पंवार की शिकायत पर ढाबा संचालक दिलीप यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस को ढाबे पर अवैध शराब बिकने की सूचना मिली थी, जिस पर पदमनगर थाने की टीम ने वहां दबिश दी। पुलिस अधिकारियों को तलाशी में कुछ नहीं मिला और वे वापस लौटने लगे। तभी शराब ठेकेदार इंदल सिंह पंवार के कर्मचारियों ने पुलिस से कहा कि ढाबे के भीतर शराब नहीं मिली, लेकिन हम बताते हैं कि कहां रखी है। इसी बात को लेकर पुलिस तो अलग हो गई, लेकिन ठेकेदार और ढाबा संचालक के कर्मचारी आपस में भिड़ गए। वारदात के बाद दोनों पक्ष शिकायत करने पदमनगर थाने पहुंच गए, जिससे वहां भीड़ जमा हो गई। कुछ देर बाद पहुंचे टीआई प्रवीण आर्य ने लोगों को थाने से बाहर किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से शिकायती आवेदन लिए और घायलों का मेडिकल कराया।

गन्ने के खेत में लगी आग, किसान को लाखों का नुकसान

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● निंबोला स्थित असीरगढ़ रोड स्टेशन के पास एक गन्ने के खेत में बुधवार शाम करीब 4 बजे अचानक आग लग गई। इस घटना से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। किसान मनोज तारवाला के खेत में लगी इस आग से उनकी पूरी गन्ने की फसल जल गई। साथ ही खेत में लगे ड्रीप पाइप और पीयूसी पाइप भी जलकर नष्ट हो गए। आगजनी से किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।सूचना मिलने पर बुरहानपुर और नेपानगर से दो फायर फाइटर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। तेज हवा के कारण आग लगातार भड़कती रही, जिससे नियंत्रण मुश्किल हो रहा था।

अग्निशामक वाहनों के साथ-साथ ग्रामीणों और आसपास के खेतों के किसानों ने भी आग बुझाने में मदद की। काफी प्रयासों के बावजूद आग पूरी गन्ने की फसल में फैल गई, जिससे किसान को भारी आर्थिक क्षति हुई। पुलिस और अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

क्रिटिकल केयर यूनिट पहुंचे संभागायुक्त, पावरलूम क्लस्टर, आयुर्वेदिक कॉलेज का भी दौरा किया

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● इंदौर संभागायुक्त डॉ सुदाम खाड़े गुरुवार को बुरहानपुर पहुंचे। उन्होंने जिला अस्पताल के पास बने नए क्रिटिकल केयर यूनिट का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पावरलूम क्लस्टर और आयुर्वेदिक कॉलेज का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ बुरहानपुर कलेक्टर हर्ष सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में संभागायुक्त ने बताया कि बुरहानपुर में आधुनिक पावरलूम क्लस्टर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने इसे एक नियमित निरीक्षण बताया, जिसका उद्देश्य कमियों को पहचानना और उन्हें दूर करना है। संभागायुक्त ने जिला पंचायत द्वारा टैक्स निर्धारण के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में अक्सर धन की कमी होती है, जिससे विकास कार्यों में बाधा आती है। हालांकि, अब ग्राम पंचायतों में टैक्स वसूली में अच्छा सुधार हो रहा है, जो एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने सभी राजस्व प्रकरणों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए और अनावश्यक पेशी न बढ़ाने को कहा। संभागायुक्त ने अधिकारियों को समय सीमा के भीतर पारदर्शिता के साथ काम करने पर जोर दिया। क्रिटिकल केयर यूनिट का अवलोकन करने के बाद संभागायुक्त ने कहा कि जिले में एक आपातकालीन केंद्र होना चाहिए। उन्होंने नवनिर्मित क्रिटिकल केयर यूनिट को एक अच्छा उदाहरण बताया, जो जिला अस्पताल में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

69 वीं राष्ट्रीय शालेय स्क्वाश खेल प्रतिस्पर्धा का इंदौर में रंगारंग शुभारम्भ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर मध्यप्रदेश की मेजबानी में राष्ट्रीय शालेय स्क्वाश खेल प्रीतियोगिता का शुभारम्भ जल संसाधन मंत्री मध्यप्रदेश तुलसीराम सिलावट के मुख्य आतिथ्य में एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ शांता स्वामी भार्गव की अध्यक्षता में इंदौर के एमराल्ड वर्ल्ड स्कूल में आज रंगारंग शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर एमेराल्ड वर्ल्ड स्कूल के ओनर मुकतेश्वर सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। शालेय खेल प्रतियोगिता में पूरे देश के 13 राज्यों के 103 अंडर 19 बालक/ बालिका वर्ग खिलाड़ी व 52 ऑफिसियल्स उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता के मीडिया प्रचार – प्रसार समिति के सदस्य दिनेश परमार एवं अनुराग तिवारी ने बताया कि इंदौर मध्यप्रदेश की मेजबानी में 11 से 13 दिसंबर तक आयोजित होगी। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रख्यात मंच संचालक सुनयना शर्मा ने किया वहीं आभार जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील अवस्थी ने माना। इस अवसर पर शिक्षक पेड़ी संघ के अध्यक्ष महेंद्र शर्मा,प्राचार्य प्रकाश सिरवलकर, शिक्षक कांगेस के जिलाध्यक्ष आलोक परमार, वरिष्ठ खेल शिक्षक संजय वर्मा, अनिल गोड़, प्रकाश गौड़, जितेन्द्र दाईगुड़े ,हेमंत पंवार, राकेश पंडित,भारती जमदड़, तपन जिंदल, अनीता भारती, नीता वैष्णव, अनिल खरे, अखिलेश वाणी आदि उपस्थित थे।

बीसीसीआई की बैठक में घरेलू महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित कई अन्य मामलों पर होगी बात

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक इसी माह 22 दिसंबर को होगी। एपेक्स कमेटी की इस बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच मामलों पर बात हो सकती है। इसमें घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस को बढ़ाने पर भी बात होगी। इस बार एकदिवसीय विश्वकप में महिला टीम की शानदार जीत से भी खिलाड़ी उत्साहित है और ऐस में उन्हे मैच फीस में बदलाव की उम्मीद है। बीसीसीआई भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुशी है और प्रतिभाओं को आगे लाने मैच फीस बढ़ाने पर फैसला ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वेतन में समानता है पर घरेलू प्रतियोगिताओं में अब तक ऐसा नहीं हुआ है। वहीं इस बैठक में क्रिकेटरों के केन्द्रीय अनुबंध पर भी बात होगी। इसके अलावा बीसीसीआई अंपायरों की मैच फीस में भी बदलाव करना चाहता है। उसको भी लेकर इस बैठक में विचार किया जाएगा। इसके अलावा कई और मामले भी इस बैठक में उठेंगे।

13 से 15 दिसंबर तक भारत दौरे पर पहुंचेंगे मैसी

नई दिल्ली (एजेंसी) ● अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनन मेसी के दौरे को लेकर प्रशंसक उत्साहित हैं। मेसी शनिवार 13 दिसंबर से तीन दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे। वह बहुप्रतीक्षित ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कार्यक्रम के तहत भारत आ रहे हैं। वह अपने तीन दिवसीय दौरे में 13 से 15 दिसंबर तक चार प्रमुख शहरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मेसी के 1:30 बजे कोलकाता पहुंचने की उम्मीद है। दिन भर शहर में उनके कई कार्यक्रम होंगे, जिनकी शुरुआत सुबह से ही हो जाएगी। कोलकाता दौरे में मेसी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से भी मुलाकात करेंगे। वह दोपहर 2 बजे हैदराबाद के लिए होंगे। हैदराबाद में मेसी एक कार्यक्रम के साथ ही एक प्रदर्शनी फुटबॉल मैच में भी शामिल है। इसके बाद मेसी के शानदार करियर का जश्न मनाने वाला एक भव्य संगीत कार्यक्रम भी रखा गया है। युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष फुटबॉल क्लिनिक कार्यक्रम भी रखा गया है। यह मुख्य रूप से मेस्सी द्वारा आयोजित फुटबॉल क्लिनिक पर केंद्रित है। मेसी के साथ इस कार्यक्रम में फुटबॉलर रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज़ रहेंगे। वे बच्चों को प्रशिक्षण देंगे, उन्हें प्रेरित करेंगे और फुटबॉल के टिप्स देंगे। हैदराबाद में अपने कार्यक्रमों के बाद मेसी मुंबई और फिर दिल्ली जाएंगे।

गुमनामी की जिंदगी जी रही प्रिया

मुंबई (एजेंसी) ● बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री प्रिया गिल आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। 1999 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ तुम' में अभिनय के बाद अभिनेत्री प्रिया गिल अचानक रातोंरात स्टार बन गई थीं, लेकिन समय के साथ वह फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गईं। एक्ट्रेस आज पूरी तरह गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं। बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली प्रिया गिल ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों शाहरुख खान और सलमान खान के साथ भी काम किया, लेकिन मायूसी और संघर्ष ने उन्हें कैमरे की चमक से बहुत दूर कर दिया। प्रिया गिल ने 1995 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट बनकर मनोरंजन जगत में कदम रखा। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के साथ 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे मेरे सपने' से की। फिल्म में उनकी एक्टिंग की सराहना हुई, लेकिन उन्हें उस फिल्म की तलाश थी जो उनके करियर को नई ऊंचाई दे। यह मौका उन्हें मिला 1999 में आई फिल्म 'सिर्फ तुम' से, जिसमें उन्होंने संजय कपूर के साथ काम किया। फिल्म रिलीज होते ही प्रिया गिल की मीठी मुस्कान, नैचुरल एक्टिंग और सादगी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और वह रातोंरात स्टार बन गईं।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का प्रेरणादायक है सफर

मुंबई (एजेंसी) ● महज 20 साल की उम्र में बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री दीया मिर्जा आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल और सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। हाल ही में दीया मिर्जा अपना जन्मदिन मनाया। उनका सफर सिर्फ ग्लैमर की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा है। दीया को उनकी पहली पहचान 2001 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' के किरदार से मिली, जिसने दर्शकों के दिलों में उन्हें हमेशा के लिए बसा दिया। दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं। जब दीया सिर्फ साढ़े चार साल की थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए। बचपन की चुनौतियों के बावजूद दीया ने पढ़ाई और करियर दोनों में सफलता हासिल की।

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर में 24 घंटे मिलेगा लड्डू प्रसाद, रात्रि में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नई व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब भक्तों को 24 घंटे लड्डू भोग प्रसाद मिलेगा। मंदिर प्रबंध समिति ने श्री हरसिद्धि मंदिर के पास स्थित पद्मभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास अतिथि निवास के बाहर यह सुविधा शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु श्री महाकालेश्वर भगवान का बेसन और रागी से बना लड्डू प्रसाद किसी भी समय प्राप्त कर सकेंगे। यह निर्णय दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने बताया कि पहले प्रसाद काउंटर सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक ही संचालित होते थे। रात्रि में दर्शन के लिए आने वाले कई श्रद्धालु समय की कमी के कारण प्रसाद नहीं ले पाते थे। भक्तों की आस्था और सुविधा को देखते हुए अतिथि निवास के समीप यह नया काउंटर 24 घंटे खुला रहेगा। इससे रात्रि में आने वाले भक्तों को भी आसानी से लड्डू प्रसाद उपलब्ध हो सकेगा।

संपत्तिकर जमा नहीं करने पर सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज सील, कॉलेज पर 1.1 करोड़ टैक्स बकाया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नेशनल लोक अदालत से पहले उज्जैन नगर निगम ने शहर के बड़े संपत्तिकर बकायादारों पर सख्त कार्रवाई की है। सबसे बड़ा बकायादार सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज है, जिसने एक करोड़ एक लाख 20 हजार रुपए का टैक्स जमा नहीं किया है। निगम का अमला बुधवार को कॉलेज पहुंचा और स्टोर रूम सील किया। इसके अलावा 7 अन्य बकायादारों पर कार्रवाई की गई है। ये कार्रवाई गुरुवार को भी चल रही है।

निगम की टीम ने बुधवार को जोन क्रमांक एक, तीन और छह में कार्रवाई की। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के अनुसार इन पर कुल 1.22 करोड़ रुपए का बकाया है। मिश्रा ने बताया कि 13 दिसंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए संपत्तिकर अमले ने बकायादारों को बिल जारी किए थे। पहले से बिल जारी होने के बाद भी कई बकायादारों ने राशि जमा नहीं की, जिसके बाद तालाबंदी की कार्रवाई की गई। निगम अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बकाया जमा नहीं करने वालों पर आगे भी इसी तरह की कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में तालाबंदी के बाद प्रिंसिपल उमेश पेंढारकर ने निगम की इस कार्रवाई के खिलाफ कोर्ट जाने की बात

कही है। उन्होंने कहा कि डेढ़ वर्ष से हम संपत्तिकर जमा कर रहे हैं। इससे पहले की इतनी राशि बाकी थी हमको नहीं पता थी। हाल ही में निगम से हमें नोटिस मिला, इससे पहले नोटिस नहीं मिला था। निगम ने वर्ष 1991 से टैक्स जोड़ा है। हम कोर्ट में इसका विरोध करेंगे, नहीं माने तो शासन से डिमांड करेंगे। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि बकायादारों को लगातार नोटिस भेजे गए, लेकिन उन्होंने टैक्स जमा नहीं किया। इसके बाद इंजीनियरिंग कॉलेज सहित 3.76 लाख बकाया पर ठाकुर इंडस्ट्री नागझिरी, 1.96 लाख बकाया पर ठाकुर समाज संगठन जयसिंहपुरा, 1.31 लाख पर भीलागारी जयसिंहपुरा, 1.09 लाख पर लक्ष्मीनारायण मंदिर माली समाज, 80 हजार पर बसंतीलाल भुवन सदावल मार्ग रामघाट, 68 हजार बकाया पर मोहम्मद इमरान खान श्रीपाल मार्ग और 27 हजार रुपए बकाया होने पर रामप्यारी बाई तिलक मार्ग के खिलाफ तालाबंदी की कार्रवाई की गई है।

2026 में पड़ेगा ज्येष्ठ अधिकमास, 13 माह का होगा साल, धार्मिक और खगोलीय दृष्टि से कुंभ से पहले विशेष संयोग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● हिंदू पंचांग के अनुसार आगामी वर्ष 2026 विशेष खगोलीय संयोग लेकर आ रहा है। हिंदू पंचांग गणना के मुताबिक यह वर्ष 13 महीनों का होगा, क्योंकि 2026 में अधिकमास पड़ रहा है। इस बार अधिकमास ज्येष्ठ माह में आने वाला है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार सिंहस्थ कुंभ से पहले मई का महीना बेहद फलदायक माना जा रहा है। हिंदू समय गणना पूरी तरह विक्रम संवत पर आधारित है और वर्तमान में विक्रम संवत 2082 चल रहा है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बेवाला का कहना है कि वर्ष 2026 में बन रहा यह संयोग अत्यंत दुर्लभ और शुभ है। पंचांग की गणना के अनुसार हर 2-3 वर्ष में एक अतिरिक्त महीना जुड़ता है, जिसे अधिकमास कहा जाता है। यह तब बनता है जब किसी पूरे चंद्र मास के दौरान सूर्य किसी भी राशि में प्रवेश नहीं करता। चंद्र मास और सौर मास की गति में अंतर को संतुलित करने के लिए ही यह अतिरिक्त महीना पंचांग में जुड़ता है। इसे अधिकमास, अध्याय मास या मलमास भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अधिकमास को अत्यंत पवित्र माना गया है। इस महीने में किए गए व्रत, जप, तप, दान-पुण्य और पूजा-पाठ का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक मिलता है। 2026 में ज्येष्ठ अधिकमास आने के कारण यह वर्ष आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बेवाला ने बताया कि हिंदू माह ज्येष्ठ मई में आएगा, इसे पुरुषोत्तम एकादशी भी कहा जाता है। 2028 कुंभ से पहले आने के कारण अधिक प्रभावशाली होगा। अधिक मास की उत्पत्ति पंचांग की तिथियों के घटने और बढ़ने से होती है।

सिंहस्थ मेला क्षेत्र में 300 किमी की फायबर लाइन डलेगी, मेले के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों में टेलीकॉम कंपनी नए टावर लगाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ-2028 को लेकर उज्जैन में गुरुवार को आयोजित बैठक में मेला अधिकारी और उज्जैन कलेक्टर ने टेलीकॉम कंपनी और रेलवे के अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैठक में सिंहस्थ के दौरान नेटवर्क प्लान में टावर साइट अपग्रेड और नए टावर लगाए जाने पर बात हुई। टेलीकॉम कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि उनकी कार्ययोजना के अंतर्गत सिंहस्थ के दौरान मेला क्षेत्र में 300 किमी क्षेत्र में फाइबर डाला जाएगा। पहले से मौजूद इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी अपग्रेड करना होगा। जहां अधिक लोगों की आवाजाही रहेगी, वहां कवरेज के लिए लगभग 100 पोल साइट लगाए जाएंगे। मेला क्षेत्र, श्री महाकालेश्वर मंदिर, अन्य प्रमुख मंदिरों और उज्जैन आने वाले मुख्य मार्गों पर विशेष फोकस किया जाएगा। इसके लिए हार्ड पाइप डाले जाने पर भी चर्चा हुई। मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने प्रशासनिक संकुल

भवन के सभाकक्ष में रेलवे अधिकारियों के साथ सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए बनाए जा रहे रेलवे ओवरब्रिज की प्रगति की समीक्षा की गई और केबल शिफ्टिंग और पाइपलाइन शिफ्टिंग का कार्य तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए गए। जानकारी दी गई कि स्वीकृत 13 रेलवे ब्रिज में से 7 पर काम शुरू हो चुका है।

कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण पंचायत उप-चुनाव के लिए सीसीटीवी

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिला कलेक्टर प्रीति यादव ने गुरुवार सुबह 11:30 बजे डग रोड स्थित शासकीय आईटीआई कॉलेज में स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण आगामी त्रिस्तरीय पंचायत उप-निर्वाचन की तैयारियों के मद्देनजर किया गया। कलेक्टर ने स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, ताले, सीसीटीवी कैमरों और अन्य संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर आरपी वर्मा, तहसीलदार रामेश्वर दांगी और निर्वाचन शाखा के कर्मचारी मौजूद रहे। त्रिस्तरीय पंचायत उप-निर्वाचन कार्यक्रम के तहत आगर मालवा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 7 वार्डों में पंच पद के लिए तथा 1 स्थान पर जिला पंचायत सदस्य पद के लिए चुनाव होना है। जनपद पंचायत नलखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पडाना के वार्ड क्रमांक 19, ग्राम पंचायत ढाबला सोनगरा के वार्ड क्रमांक 07, और ग्राम पंचायत देहरी गुर्जर के वार्ड क्रमांक 04 और 05 में पंच पद के लिए उप-चुनाव होंगे। इसी प्रकार, जनपद पंचायत आगर में ग्राम पंचायत चकबड़ाबीड के वार्ड क्रमांक 20 (ग्राम धंधेड़ा) और ग्राम पंचायत गाता के वार्ड क्रमांक 01 एवं 13 (ग्राम नेवरी) में पंच पद के लिए उप-चुनाव आयोजित किए जाएंगे। जिला पंचायत सदस्य के

लिए उप-निर्वाचन जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 01 सुसनेर में होगा।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया 8 दिसंबर 2025 से शुरू होगी और इसकी अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2025 है। नाम पत्रों की जांच 16 दिसंबर 2025 को की जाएगी, जबकि नाम वापसी और प्रतीक आवंटन 18 दिसंबर 2025 को होगा। पंच पद के लिए मतदान 29 दिसंबर 2025 को सुबह 7:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक होगा। मतगणना मतदान के तुरंत बाद संबंधित मतदान केंद्र पर ही की जाएगी। जिला पंचायत सदस्य (ईवीएम) के लिए मतगणना 2 जनवरी 2026 को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी। इन उपनिर्वाचनों के अंतिम परिणामों की घोषणा 5 जनवरी 2026 को प्रात: 10:30 बजे से की जाएगी।

बिजली लाइन में चाइनीज मांझा फंसना होता है घातक, कंपनी ने बताया जान जाने तक का खतरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में चाइनीज मांझे से गला कटने से युवक की जान जा चुकी है। वहीं बीते दो साल में 13 बार बिजली भी तारों में इन मांझे के फंसने से जा चुकी है। बिजली कंपनी ने बताया है कि इस मांझे के बिजली तार में फंसने से जान भी जा सकती है। इसलिए अब रोको-टोको अभियान शुरू किया गया है।

यह अभियान शुरू किया-एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ने इंदौर में ट्रांसमिशन लाइनों के पास चायनीज मांझे से पतंग उड़ान रोकने के लिए नया अभियान शुरू किया है। एम.पी. ट्रांसको की कार्यपालन इंजीनियर नमृता जैन ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि पिछले दो वर्षों में इंदौर क्षेत्र में 13 बार ऐसी घटनाएं हुई हैं। जब पतंगों के साथ चाइनीज मांझा ट्रांसमिशन लाइनों से जुड़ा, तो बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और ट्रांसमिशन लाइनें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

इस मांझे के कारण जा सकती है जान-अधिकारियों ने बताया कि चाइनीज मांझा, जो कि सामान्य सूती धागे से अलग होता है। विद्युत का सुचालक होने के कारण बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। ट्रांसमिशन लाइनों के संपर्क में

आने पर यह बिजली आपूर्ति में व्यवधान डालता है। साथ ही जान-माल की हानि का कारण भी बन सकता है। जब यह मांझा बिजली के तारों से टकराता है, तो करंट प्रवाहित हो सकता है। इससे पतंग उड़ाने वाले और आसपास के लोगों को गंभीर खतरा हो सकता है।

इंदौर में ये क्षेत्र है संवेदनशील-इंदौर में जिन क्षेत्रों को चाइनीज मांझा के साथ पतंग उड़ाने के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील माना गया है। उनमें मुख्य रूप से लिम्बोदी, मूसाखेड़ी, खजराना, महालक्ष्मी नगर, सुखलिया, गौरीनगर, बाणगंगा, तेजाजी नगर और नेमावर रोड शामिल हैं। इन क्षेत्रों में अभियान पर विशेष जोर रहेगा।

मौसम पूर्वानुमान (11 दिसंबर) : मध्यप्रदेश सहित देश के कई प्रदेशों में कड़ाके की सर्दी और शीतलहर का अलर्ट

चलाया जा रहा है अभियान-इस अभियान के तहत, एम.पी. ट्रांसको ने इंदौर के उन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहां बहुतायत में पतंग उड़ाई जाती हैं। इन संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पोस्टर, बैनर और पी.ए. सिस्टम के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी। लोगों को सचेत और सतर्क किया जाएगा। इसका उद्देश्य जान-माल की हानि को रोकना और बिजली के लंबे व्यवधान से बचाना है।

न्यूज ब्रीफ

राज्यपाल पटेल ने गौशाला में गौवंश का पूजन कर लड्डू खिलाये

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गुरूवार को सांवेर रोड़ स्थित मुरारीलाल तिवारी गौशाला का भ्रमण किया। उन्होंने गौशाला में गौवंश का पूजन किया और उनको लड्डू खिलाये। राज्यपाल पटेल ने गौशाला में किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बेजुबान और बीमार गायों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। भारत में गौमाता को पूजने की परम्परा वर्षों पुरानी है। राज्यपाल पटेल को विधायक सु उषा ठाकुर, गौशाला के राधेश्याम शर्मा और शशांक शर्मा ने गौशाला के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यहाँ 300 से अधिक गायों की सेवा की जाती है और उनका पूरा ध्यान रखा जाता है। गौशाला में गौवंश को रखने के लिए पर्याप्त जगह है। राज्यपाल पटेल को गौशाला के सचिव सुभाष गोयल ने गौशाला से संबंधित साहित्य भेंट किया। उन्होंने सम्पूर्ण गौशाला का अवलोकन किया।

शीत लहर के प्रभाव से बचने के लिए बरते सावधानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शीत लहर से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी में नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे सर्दी को देखते हुए विशेष सावधानी बरते। गर्म कपड़े पहने, जैसे फ्लू, सर्दी, खांसी एवं जुकाम आदि के लक्षण हो जाने पर चिकित्सक से संपर्क करें। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी ने बताया कि सर्दी के मौसम में जब ठंडी हवाएं तेजी से चलने लगती है, तापमान में तेजी से गिरावट होने लगती है, तब इस स्थिति को शीत लहर कहते है, आसान शब्दों में कहा जा सकता है कि सर्दी के मौसम में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से लेकर 04-05 डिग्री नीचे चला जाता है तो इसे शीत लहर कहा जाता है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो, टी.वी. एवं समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया द्वारा दी जा रही जानकारी का अनुसरण करें।

आबकारी घोटाले में ईडी ने कोर्ट में पेश किया चालान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), इंदौर की सक्रियता ने अपराधियों की नींदें उड़ा दी है। अब ईडी ने इंदौर में हुए 71 करोड़ के आबकारी घोटाले में स्पेशल कोर्ट इंदौर में मनी लाण्ड्रिंग के तहत चालान पेश कर दिया है। ईडी इस केस में 70 करोड़ के बाजार मूल्य की संपत्तियां अटैच कर चुकी है।

इंदौर के रावजी पुलिस स्टेशन ने शराब ठेकेदारों के खिलाफ सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। आरोपी ठेकेदारों पर सरकारी चालानों में जालसाजी और हेरफेर करने का आरोप है। इस केस में शराब ठेकेदारों के साथ ही अधिकारियों की भी मिलीभगत सामने आई थी। इसमें अधिकारियों की जांच भी विभाग स्तर पर जारी है। हालांकि ईडी ने अभी किसी भी अधिकारी को आरोपी नहीं बनाया है। इंदौर आबकारी घोटाला में श्रृष्ठ की कार्रवाई को ऐसे समझें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 71 करोड़ रुपए के इंदौर में मनी लाण्ड्रिंग मामला में चालान कोर्ट में पेश किया। जांच में शराब ठेकेदारों ने सरकारी चालानों में जालसाजी कर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुँचाया। मुख्य आरोपी राजू दशवंत और अंश त्रिवेदी को गिरफ्तार कर लिया गया है, दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने 70 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 28 अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। ठेकेदारों ने कम शुल्क पर अधिक शराब का स्टॉक जमा करने के लिए धोखाधड़ी की थी। आरोपी छोटी रकम के चालान तैयार करके बैंक में जमा करते थे। चालान के निर्धारित प्रारूप में 'अंकों में रुपए' और 'शब्दों में रुपए' लिखा होता था। रकम अंकों में भरी जाती थी, जबकि 'शब्दों में रुपए' के लिए खाली जगह छोड़ी जाती थी। रकम जमा करने के बाद, जमाकर्ता 'अंकों में रुपए' की रकम में हेरफेर करके 'शब्दों में रुपए' की खाली जगह में बढ़ी हुई रकम भर देते थे। इस तरह बढ़ाई गई रकम वाले चालानों की प्रतियां संबंधित देशी शराब गोदाम या विदेशी शराब के मामले में जिला उत्पाद शुल्क कार्यालय में जमा कर दी जाती थीं। देशी शराब गोदाम या इंदौर स्थित जिला उत्पाद शुल्क कार्यालय में अधिकारी को चालान प्रस्तुत कर दिया जाता था। रकम को शराब शुल्क/मूल लाइसेंस शुल्क/न्यूनतम गारंटी के रूप में जमा करके, एनओसी प्राप्त कर ली जाती थी। इस प्रकार, कम शुल्क चुकाने के बावजूद अधिक शराब का स्टॉक जमा कर लिया जाता था। इससे सरकारी खजाने को नुकसान होता था।

ईडी की जांच में यह आया-पीएमएलए जांच में यह साबित हुआ कि राजू दशवंत, अंश त्रिवेदी और अन्य शराब ठेकेदारों ने जालसाजी, धोखाधड़ी से प्राप्त 49 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। इससे पहले, ईडी ने इस मामले में मुख्य आरोपी राजू दशवंत और अंश त्रिवेदी को गिरफ्तार किया था। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। जांच के दौरान, ईडी इंदौर ने अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया था। 21.18 करोड़ रुपए मूल्य की 28 अचल संपत्तियों (पीओसी) को कुर्क किया गया था।

एमवायएच अस्पताल का वीडियो वायरल

बिजली कटौती में मोबाइल की लाइट से इलाज

अधीक्षक ने माना वीडियो असली-बैकअप व्यवस्था पर उठे सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल इंदौर का एमवायएच हॉस्पिटल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कुछ डॉक्टर मोबाइल की टॉर्च लाइट में मरीजों का इलाज करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद यहां की व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

वही हॉस्पिटल अधीक्षक अशोक यादव का कहना है कि कैंसर अस्पताल ब्लॉक में एमपीईबी के काम के कारण कुछ मिनटों की कटौती हुई थी। और यह वीडियो बुधवार रात को सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो बनाने वाला इसमें बताया जा रहा है कि यह वीडियो एमवायएच की ओपीडी का है जहां अंधेरा नजर आ रहा है। और मोबाइल की लाइट , मोमबत्ती के साए में गरीब महिला का इलाज डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा था जिससे यहां पर अन्य मरीज भी परेशान होते रहे हैं, मरीज द्वारा शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती है। एमवाय अधीक्षक का कहना है कि वीडियो असली है और यह बुधवार सुबह का है। उन्होंने कहा कि यह बिजली कटौती बहुत थोड़े समय के लिए थी, लेकिन उनका इलाज नहीं हो पता है। एमपीईबी द्वारा कैंसर अस्पताल ब्लॉक में किए जा रहे तकनीकी कार्य के दौरान हुई। उन्होंने कहा, अस्पताल में बिजली सप्लाई चालू थी। एमपीईबी ने कुछ मिनटों का ब्लॉक लिया था, जिसके बाद बिजली तुरंत बहाल हो गई थी। इधर, वीडियो सामने आने के बाद लोग सवाल उठा रहे हैं कि इतने बड़े अस्पताल में कुछ मिनटों की बिजली कटौती के दौरान भी उचित बैकअप क्यों उपलब्ध नहीं था। बता दे कि इसके पहले भी एमवायएच के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके है।

ईओडब्ल्यू ने बंधक प्लॉट बेचने पर डीएचएल इन्फ्राबुल्स संचालकों पर दर्ज की एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्रा. लि. के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला बंधक प्लॉट बेचने से संबंधित है। इस मामले में ईओडब्ल्यू भोपाल को शिकायत मिली थी। शिकायत क्रमांक 266/2025 की जांच के बाद यह केस दर्ज कर लिया गया है।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ मुख्यालय भोपाल में पंजीबद्ध शिकायत क्रमांक 266/2025 के सत्यापन पर यह कार्रवाई हुई है। इसकी जांच में डीएचएल इन्फ्राबुल्स्स इंटरनेशनल प्रा. लि. के संचालकों पर बंधक संपत्ति गलत तरीके से बेचने का मामला पाया गया है। आरोपियों में (1) संतोष कुमार सिंह पिता शिवप्रसाद सिंह, (2) संजीव पिता अशोक जायसवाल, (3) अनिरुद्ध पिता मधुकर देव एवं अन्य शामिल हैं।

इस पर ईओडब्ल्यू भोपाल ने अपराध धारा 420, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत केस दर्ज किया है। ईओडब्ल्यू एसपी रामेश्वर यादव के जरिए इस मामले की गहन जांच कराई जा रही है।

डीएचएल इन्फ्राबुल्स्स इंटरनेशनल प्रा. लि. के संचालकगण-संतोष कुमार सिंह पिता शिवप्रसाद सिंह, डायरेक्टर, डीएचएल इन्फ्राबुल्स्स इंटरनेशनल प्रा. लि., 301, मेगापेलिस टॉवर, 579, एम.जी. रोड, इंदौर। संजीव पिता अशोक जायसवाल, डायरेक्टर, डीएचएल इन्फ्राबुल्स्स इंटरनेशनल प्रा. लि., 301, मेगापेलिस टॉवर, 579, एम.जी. रोड, इंदौर। अनिरुद्ध पिता मधुकर देव, डायरेक्टर, डीएचएल इन्फ्राबुल्स्स इंटरनेशनल प्रा. लि., 301, मेगापेलिस टॉवर, 579, एम.जी. रोड, इंदौर एवं अन्य

इतने प्लॉट बेच डाले-आरोपी कंपनी डीएचएल इन्फ्राबुल्स्स ने 249 भूखंड कॉलोनी सेल इंदौर में बंधक रखे थे। ये भूखंड आईकॉनस लैण्डमार्क-01 और 02 के थे। इन भूखंडों को कंपनी ने विकास के बदले बंधक रखा था। शासन में बंधक रखे गए भूखंडों का स्वामित्व कॉलोनी सेल / शासन का है। कंपनी के जरिए बंधक भूखंड को मुक्त नहीं किया गया था। इसके बावजूद कंपनी ने शासन के बंधक भूखंडों को बिना अनुमति बेचा था। उन्होंने अपर कलेक्टर से कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र नहीं लिया था। फिर भी, जानबूझकर 15 भूखंडों को बेच दिया था। इन भूखंडों की रजिस्ट्री अन्य पक्षकारों के नाम कर दी गई।

प्रदेश के 71 अधिकारियों का होगा प्रमोशन, एम सेलवेंद्रन बनेंगे प्रमुख सचिव, आशीष सिंह, अभिजीत अग्रवाल, कौशलेंद्र सिंह बनेंगे सचिव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश के 71 अधिकारियों की 2026 में पदोन्नति होने जा रही है। इसके लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक हुई। इसमें पदोन्नति के संबंध में कई फैसले लिए गए। बताया जाता है कि अब 2002 बैच के अधिकारी एम सेलवेंद्रन पदोन्नत होकर प्रमुख सचिव होंगे। ई बैच के एक अन्य अधिकारी अजीत कुमार केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। जब वह वापस लौटेंगे तो उन्हें प्रमुख सचिव बना दिया जाएगा। उज्जैन के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी आशीष सिंह, आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल, भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सहित 2010 बैच के अन्य अधिकारियों को सचिव पद पर पदोन्नत किया जाएगा।

बैठक में प्रमुख सचिव, सचिव और अतिरिक्त सचिव के वेतनमान में पदोन्नत करने पर विचार किया गया। बताया जाता है कि कुल 71 अधिकारी पदोन्नत होंगे, लेकिन तरूण भटनागर, ऋषि गर्ग और अनुराग चौधरी के नाम जांच के कारण रोक दिए गए हैं। 2010 बैच के तीन अधिकारी गणेश शंकर मिश्रा, षणमुख प्रिया मिश्रा और तन्वी सुंदरीयाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। इन्हें छोड़कर बैच के जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना, आयुक्त कोष एवं लेखा भास्कर लक्षकार, आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा, आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, प्रबंध निदेशक विद्युत वितरण कंपनी अनय द्विवेदी, आयुक्त पंचायतराज छोटे सिंह, अपर आयुक्त ग्वालियर सपना निगम, संचालक स्वास्थ्य दिनेश श्रीवास्तव, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आरपीएस जादौन, अपर सचिव श्रम बसंत कुर्रे, अपर सचिव मुख्यमंत्री चंद्रशेखर बालिंबे, अपर सचिव नगरीय विकास शीलेंद्र सिंह और आयुक्त चंबल सुरेश कुमार सचिव पद पर पदोन्नत होंगे। इस बैच के अनुराग चौधरी का नाम अभी रोका जाएगा। इसके अलावा 2013 बैच के अधिकारी अतिरिक्त सचिव पद पर पदोन्नत होंगे। राज्य प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति की बैठक शुक्रवार को होगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी, महानिदेशक प्रशासन अकादमी सचिन सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भूमाफिया ने बीजेपी सरकार की ओर से कांग्रेस के पूर्व मंत्री कपिल सिब्बल को ही बनवा दिया वकील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के भूमाफिया जो खेल कर रहे हैं, वह कम नहीं हैं। अब तो उन्होंने बीजेपी सरकार और सहकारिता विभाग को भी मोहरा बना दिया है। सहकारिता विभाग (मप्र शासन) ने त्रिशला हाउसिंग सोसायटी में प्रशासक नियुक्त किया है।

यह संस्था एक हजार करोड़ से अधिक की जमीन के विवाद में फंसी हुई है। कांग्रेस सरकार के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे कपिल सिब्बल को अधिवक्ता बनाया गया है। वर्तमान में वे यूपी से निर्दलीय सांसद हैं। त्रिशला ने उन्हें केस में अपनी ओर से उतारा है। सुप्रीम कोर्ट में संस्था के चुनाव और सदस्यता को लेकर तीन याचिकाएं लगी हैं। इनमें सिद्धार्थ पोखरना, राजेंद्र पोखरना और अजय चौरसिया याचिकाकर्ता हैं। वहीं अब इसमें देखें पक्षकार कौन हैं। इसमें मप्र शासन, रजिस्ट्रार सहकारिता, मप्र सहकारिता विभाग, डिप्टी रजिस्ट्रार, त्रिशला गृह सोसायटी के प्रशासक समीर हरदास, भंवरलाल और इंदौर कलेक्टर यह सभी पक्षकार बने हुए हैं।

इस तरह से सिब्बल को उतारा-लाखों की फीस लेने वाले सिब्बल को प्रशासक (जो सहकारिता विभाग के समीर हरदास हैं) की ओर से अधिवक्ता के तौर पर उतारा गया है। इसे त्रिशला गृह निर्माण सहकारी संस्था का बचाव करने के लिए उतारा गया है। इस पूरे मामले में मुख्य पार्टी त्रिशला ही है। इसी के जवाब पर पूरा केस टिका हुआ है। ऐसे में सिब्बल ही मोटे तौर पर पूरे केस को लीड करेंगे।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कर दिया खारिज-इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट गया और पोखरना और चौरसिया की अपील लगी थी। इसमें 16 अक्टूबर को

सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश देते हुए चुनाव को होल्ड कर दिया था। साथ ही, आदेश दिया कि इस मामले में सदस्यता की जांच कराने और चुनाव कराने के लिए क्यों न हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस की अध्यक्षता में कमेटी बना दी जाए। इस पर सभी पक्षकार अपना जवाब अगली सुनवाई में देंगे। इसी सुनवाई में पक्षकारों ने कपिल सिब्बल को उतार दिया है।

सिब्बल ने दी चुनाव बहाल की ये दलीलें-सिब्बल ने इस केस में त्रिशला सोसायटी के चुनाव को फिर से बहाल करने की जमकर दलीलें दी। उन्होंने कहा कि यह अपील याचिकाकर्ता के सदस्य होने या नहीं होने को लेकर है। इसलिए चुनाव नहीं होल्ड हो सकते हैं, क्योंकि वह तो हो चुके हैं।

ऐसे में चुनाव को बहाल किया जाए। वहीं, यदि याचिकाकर्ता की अपील मंजूर होती है तो उन्हें सदस्य बना लिया जाएगा। वैसे भी वह 2007 से इस्तीफा देकर बाहर हो चुके थे। इसके बाद, 2022 में फिर से आपत्ति लगाने का कोई मतलब नहीं है।

इस खेल की वजह 1000 करोड़ की जमीन

- दरअसल यह खेल क्यों हुआ, यह बताते हैं। त्रिशला सोसायटी के हाल ही में चुनाव हुए थे। इसमें कब्जे के लिए भूमाफिया दीपक मद्दा और उनके सहयोगी को चुनाव में उतरा गया था।
- मुद्दा उठाने पर मद्दा और उनके भाई कमलेश सिसौदिया और अन्य ने नाम वापस ले लिया था। वहीं उनके करीबी लोग निर्विरोध संचालक मंडल में आ गए थे। जबकि संस्था से 30 से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट और सदस्यता से बाहर कर दिया गया था।
- इनकी आपत्तियों को सहकारिता ने खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट में इन्हीं भूमाफिया के व्यक्ति भंवरलाल के जरिए याचिका लगाकर संस्था के चुनाव कराने की मांग की गई थी। इस पर हाईकोर्ट ने तीन माह में चुनाव कराने के आदेश दिए थे।
- वहीं, सहकारिता विभाग ने आपत्तियों को नजरअंदाज कर चुनाव कराए। उन्होंने बड़ी सांठगांठ की। शांति से चुनाव कराए गए और नया संचालक मंडल बनाया गया। जो पर्दे के पीछे भूमाफिया का ही था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।